सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

वार्षिक रिपोर्ट 2023-24

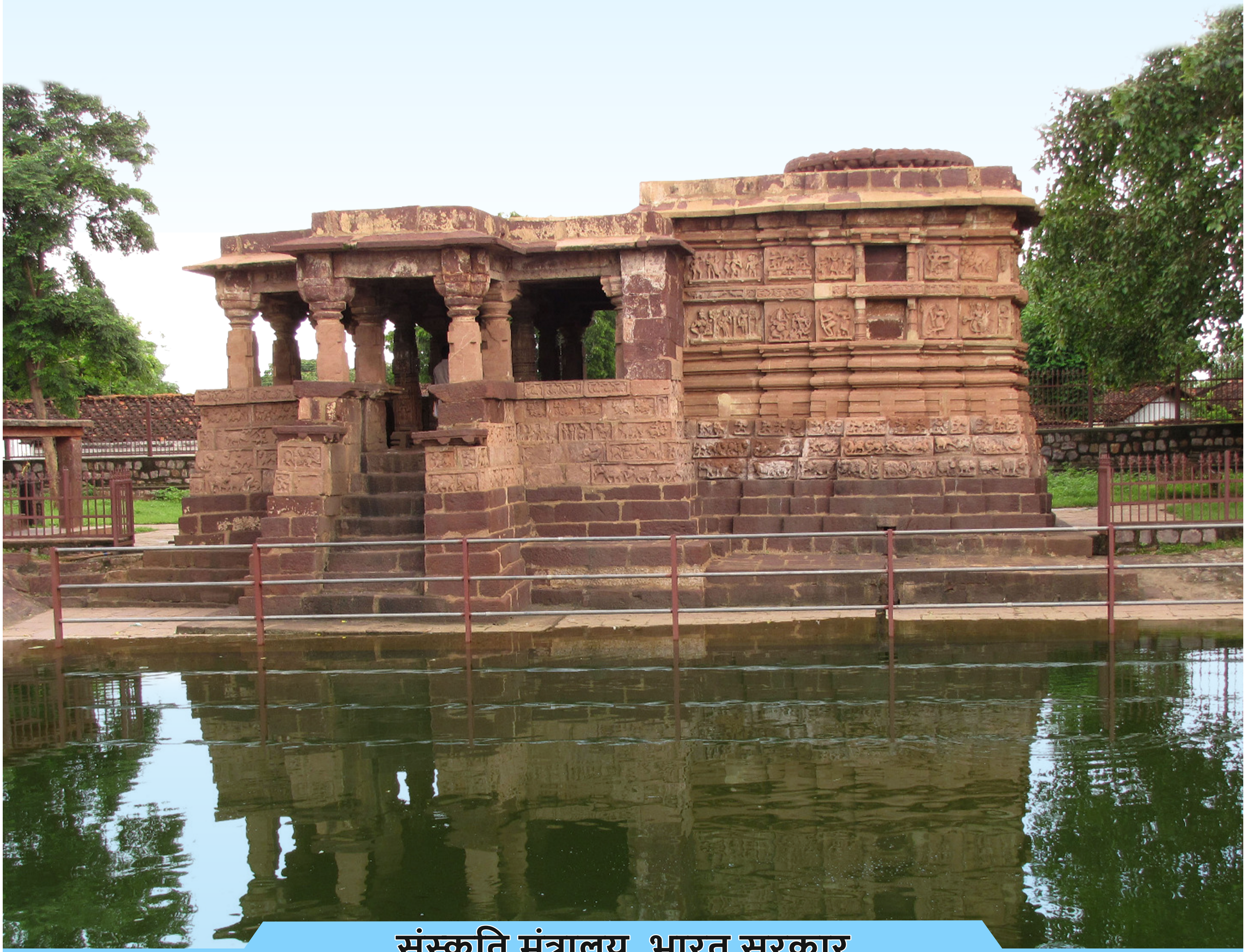

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट
एवं
लेखा परीक्षित लेखे
2023-24

विषय सूची

1. परिचय....3
2. राष्ट्रीय संस्कृति निधि का उद्देश्य....4
3. दानदाता को लाभ....5
4. प्रबंधन, प्रशासन एवं संरचना....5
5. 2023-24 की मुख्य विशेषताएं....6
   - 5.1) 2023-24 के दौरान सामान्य परिषद एवं कार्यकारी समिति की बैठकें....6
   - 5.2) निधियों की स्थिति....7
   - 5.3) वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना....7
6. 2023-24 में पूर्ण परियोजनाएं....7
   - (i) गोलकुंडा किला, हैदराबाद का फलक प्रदीप्तन....7
   - (ii) निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण....8
   - (iii) सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय, वाराणसी, उ.प्र. का उन्नयन....8
   - (iv) राष्ट्रपति निलयम, सिकंदाराबाद , तेलंगाना में ध्वज स्तंभ की प्रतिकृति को ऊपर उठाना....9
7. 2023-24 में एनसीएफ की नई पहलें....11
   - (क) दानदाता वित्तपोषित....11
   - (ख) एनसीएफ वित्तपोषित परियोजनाएं 12
8. चालू परियोजनाएं : 2023-24....14
   - i. कमलपुरा, कर्नाटक में एएसआई हम्पी संग्रहालय का डिजीटल उन्नयन....14
   - ii. देवबलोदा, छत्तीसगढ़ में विरासत स्थल का पुनर्स्थापन एवं विकास....15
   - iii. श्री लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, नुग्गेहाली, चन्नारयापतना तालुक, हासन जिला कर्नाटक में संरक्षण कार्य एवं पर्यटक सुविधाएं प्रदान करना....16
   - iv. एसबीआई-एनसीएफ-आईजीएनसीए –एल-१ बैरक, लाल किला, दिल्ली में डिजाइन के लिए आत्मनिर्भर भारत केंद्र का विकास....17
   - v. विष्णुमंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह में मठ, बातेश्वर, जिला मोरेना का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए एएसआई-एनसीएफ –इनफ़ोसिस प्रतिष्ठान परियोजना....19

vi. राष्ट्रीय स्मारकों में चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन....20
vii. पुराना किला, दिल्ली का संरक्षण, विकास एवं अनुरक्षण....22
viii. हज़ारद्वारी राजमहल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का उन्नयन....23
ix. अहोम स्मारक, असम का संरक्षण....24
x. प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास....26
xi. विक्रमशिला, बिहार के स्मारकों के समूह के परिवेश का संरक्षण एवं विकास....26
xii. हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार....28
xiii. लौरिया नंदनगढ़, चंकीगढ़ एवं रामपुरवा, पश्चिम चंपारण, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास....29
xiv. लोधी मकबरा, नई दिल्ली के स्मारकों का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण....30
xv. जंतर मंतर , नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं उन्नयन....32
xvi. धमेश स्तूप (सारनाथ) एवं महापरिनिर्वान मंदिर (कुशी नगर), उत्तर प्रदेश के लिए विजित धम्मानुवत (वोंग) भिक्कू (समूह), थाईलैंड से दान....33

9. अनुलग्नक - I (सामान्य परिषद और कार्यकारी समिति)....34
10. अनुलग्नक – II (चालू परियोजना 2023-24)....37
11. परीक्षण विवरण....39
12. लेखा परीक्षक का रिपोर्ट 47
13. तुलन पत्र....48
14. अनुसूची 24 एवं 25....74

1) परिचय

राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) की स्थापना धर्मार्थ अक्षय निधि अधिनियम, 1890 के अंतर्गत एक न्यास के रूप में भारत सरकार, संस्कृति विभाग (अब संस्कृति मंत्रालय) द्वारा 1996 में की गई थी। एन सी एफ की परिकल्पना संस्कृति से संबंधित प्रयासों के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी को बनाकर लोगों का बौद्धिक एवं वित्तीय, दोनों समर्थन प्राप्त करने की व्यवस्था के रूप में की गई थी।

भारत की संस्कृति सबसे पुरानी एवं अद्वितीय संस्कृतियों में से एक है। भारत में एक विस्मयकारी सांस्कृतिक विविधता है, जिसका परिणाम धर्म, भाषा, वास्तुकला, परम्परा एवं रीति-रिवाज की अद्वितीय बहुलता है। विविधतापूर्ण भारत की इस अद्वितीय विचार को आने वाले समय में बिना बिखरे और बिना बाधा के खिलने के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक स्तर पर प्रयास शुरू किया जाना है। भारत का संविधान निम्नलिखित शब्दों में सांस्कृतिक अधिकार की गारंटी देता है -

''भारत के क्षेत्र या उसके किसी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी वर्ग, जिसकी स्वयं की विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति है, को इसको संरक्षित करने का अधिकार है।''

हमारे संविधान में उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सरकार ने हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं परंपराओं के रक्षण, परिरक्षण, अनुरक्षण एवं विकास के लिए सतत प्रयास किए हैं। यह अनुभव किया गया है कि संस्कृति पर खर्च व्यर्थ का खर्च नहीं है, वरन् मानव एवं सामाजिक विकास के लिए योगदान है। हमारे देश में भूतकालीन संस्कृति के वृहत् अवशेष को भारत में सांस्कृतिक वित्त पोषण के प्रतिमानों में उपयुक्त समायोजन एवं नवाचार द्वारा सर्वोत्तम तरीके से परिरक्षित किया जाना है।अतः कारपोरेट की सामाजिक जिम्मेवारी और हमारे विरासत संसाधनों की सततता के बीच संयोजन का पता लगाना महत्वपूर्ण हो गया है।

चूंकि देश का लक्ष्य अपने विरासत संसाधनों को बनाए रखने का प्रयास है, कारपोरेट क्षेत्र धारणीय विरासत प्रबंधन और परिरक्षण की प्रक्रिया में एक भागीदार और प्रेरक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। सांस्कृतिक परिरक्षण के लिए सामाजिक मांग उपलब्ध सरकारी संसाधनों को पीछे छोड़ चुका है औरअतः इसे सरकारी एजेंसियों का निजी एजेंसियों के साथ सक्रिय भागीदारी से पूरा किया जाना है। एन सी एफ सांस्कृतिक निधियन का एक नवाचारी प्रतिमानहै,जो संस्थानों एवं व्यक्तियों को भारत की संपन्न सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन एवं परिरक्षण में उनकी सही भूमिका और वृहत पैमाने पर समाज एवं राष्ट्र की सांस्कृतिक आकांक्षाओं में वित्तीय सहयोग देने में समर्थ

बनाता है। एन सी एफ के जरिए वित्तपोषण या तो सीएसआर अंशदान या दान के रूप में किया जा सकता है. सी एस आर के तहत् एन सी एफ के जरिए परियोजनाओं का वित्तपोषण इस बात की मान्यता देता है कि कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी केवल अनुपालन ही नहीं है, उन पहलों के समर्थन की प्रतिबद्धता है जो प्रमुखतः राष्ट्रहित में पहलों को पर्याप्त रूप से सुधारता है। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 और कंपनी (कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी नीति) नियम, 2014 के तहत् यथा अधिसूचित अनेक फोकस क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपदा के परिरक्षण के लिए सी एस आर वित्तपोषण को सी एस आर नीति के निम्नलिखित खंड में कवर है -

''ऐतिहासिक महत्व के भवनों एवं स्थलों और कला वस्तुओं के परिरक्षण सहित राष्ट्रीय विरासत, कला एवं संस्कृति का रक्षण; सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना; परम्परागत कला एवं हस्तशिल्प का संवर्धन एवं विकास।''

एन सी एफ अपने संरक्षण के अंतर्गत अधिकृत कार्यकलापों के लिए भारतीय संसद और दानदाताओं के प्रति अंतर्निहित जिम्मेदारी में सम्मिलित है। व्यापक रूप में, एनसीएफ की परिकल्पना निगमित और सार्वजनिक क्षेत्र, गैर-सरकारी संगठनों और राज्य सरकारों के साथ भागीदारी और सहभागिता में कार्य करने के लिए की गई है, जिससे वे मूर्त और अमूर्त संस्कृति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के संरक्षण,परिरक्षणऔर विकास के प्रति योगदान कर सकें। विविध पहलों, कार्यक्रमों और विचारों के जरिए एन सी एफ भारत की संपन्न सांस्कृतिक संपदा (मूर्त और अमूर्त दोनों) के परिरक्षण, संरक्षण और अनुरक्षण के विशेष संदर्भ के साथ विरासत जागरूकता को बढ़ाना और इसका नेतृत्व करना चाहता है और भारत की विरासत के ज्ञान एवं प्रशंसा के प्रसार के लिए प्रयास कर रहा है।

2) राष्ट्रीय संस्कृति निधि के उद्देश्य:

i) संरक्षित अन्य स्मारकों के संरक्षण, अनुरक्षण, संवर्धन, रक्षण, उन्नयन एवं विकास के लिए निधियां जुटाना एवं उसका उपयोग करना।

ii) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के पुनर्वास के लिए कलात्मक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी समस्याओं पर अध्ययन एवं अनुसंधान शुरू करना।

iii) सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में व्यावसायिकों एवं स्टाफ कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

iv) कलात्मक प्रयत्नों के सभी स्वरूपों, विशेषकर कलाओं में नवाचारी प्रयोगों को संरक्षित करना एवं बढ़ावा देना।

v) समाज के सांस्कृतिक विकास एवं प्रगति को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय, नगर-निकायों

अथवा क्षेत्रीय स्तर पर रणनीतियां बनाना।

vi) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के परिरक्षण एवं संवर्धन में संलग्न संगठनों, सरकारी या गैर-सरकारी संस्थाओं को संसाधन उपलब्ध कराना।

vii) भारत एवं अन्य देशों के बीच अनुबंधित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के दायरे में स्वदेशी विशेषज्ञता और मानव संसाधन तथा कार्यकलापों के विकास हेतु अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना।

3) दानदाता को लाभ

एन सी एफ के साथ भागीदारी के लिए आगे आने वाले दानदाता को निम्नलिखित लाभ हैं:

i) राष्ट्रीय संस्कृति निधि हेतु दान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जी (ii) के अंतर्गत 100प्रतिशत कर छूट का पात्र है।

ii) एनसीएफ आयकर छूट के लिए रसीद जारी करता है और दानों के उपयोग का विस्तृत लेखा देता है।

iii) प्रत्येक विकास स्थल पर पट्किा लगाने का प्रावधान किया गया है जो दानदाताओं, सहयोगकर्ताओं तथा भागीदारों के आभार को सुगम बनाता है।

iv) दानकर्ता निधियन की किसी विशिष्ट पहलू और परियोजना के निष्पादन के लिए एक एजेंसी की पहचान सहित एक मूर्त या अमूर्त परियोजना या एक स्मारक की पहचान कर सकता है।

v) परियोजना को एक संयुक्त परियोजना कार्यान्वयन समिति (पी आई सी) के माध्यम से क्रियान्वित और मॉनीटर किया जाता है, जिसमें एन सी एफ, कार्यान्वयन एजेंसी और दानकर्ता काएक प्रतिनिधि होता है ।

vi) प्रत्येक परियोजना के खाते का विवरण एन सी एफ के खाते में समन्वित होता है, जिसका वार्षिक आधार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा की जाती है।

vii) प्रत्येक परियोजना के लिए एक अलग परियोजना बैंक खाता रखा जाता है।

4) प्रबंधन, प्रशासन एवं संरचना

राष्ट्रीय संस्कृति निधि का प्रबंधन एक परिषद एवं कार्यकारी समिति के द्वारा किया जाता है। परिषदके अध्यक्ष माननीय संस्कृति मंत्री हैं। कार्यकारी समिति की अध्यक्षता सचिव, संस्कृति

मंत्रालय द्वारा की जाती है।सामान्य परिषद की अधिकतम सदस्य संख्या पच्चीस की है, जिसमें से अधिकतम उन्नीस प्रख्यात सदस्य निगमित एवं सार्वजनिक क्षेत्र, निजी प्रतिष्ठानों एवं गैर लाभकारी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। कार्यकारी समिति की अधिकतम सदस्य संख्या ग्यारह की है, जिसमें अधिकतम छः सदस्य प्रबंधन एवं निधि उगाही में उनके अनुभाव के मद्देनजर परिषद् से नामित किए जाते हैं .सामान्य परिषद और ईसी को दिनांक 16.03.2022 की अधिसूचना द्वारा तीन वर्ष की अवधि (14.03.2024) के लिए पुनर्गठित किया गया है। पदेन और अशासकीय सदस्यों की सूची संलग्नक-। में दी गई है|

5) 2023-24 की मुख्य विषेशताएं

5.1) 2023-24 के दौरान आयोजित सामान्य परिषद और कार्यकारी समिति की बैठकें: कार्यकारी समिति की 29वीं बैठक और जीसी की 11वीं बैठक 5 जुलाई , 2023 को संपन्न हुई।

परिषद् की बैठक में श्रीमती मीनाक्षी लेखी, राज्य मंत्री (संस्कृति)
और श्री गोविन्द मोहन, सचिव (संस्कृति)

परिषद् की बैठक में सदस्य

5.2 निधियों की स्थिति

एनसीएफ को 19.50 करोड़ का एकमुशत अनुदान प्राप्त हुआ और वर्त्तमान में प्रोद्भूत ब्याज के साथ उपलब्ध राशि 47.69 करोड़ है। निधि का विवरण अनुसूची 24 एवं 25, भाग-ग (लेखाओं पर टिप्पणियां) में उपलब्ध है।

5.3 वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखे को लोक सभा में 16 दिसंबर, 2024 को और राज्य सभा में 19 दिसंबर, 2024 को रखा गया।

6) 2023-24 में पूर्ण परियोजनाएं

i) गोलकुंडा किला, हैदराबाद, में फलक प्रदीप्तन

एएसआई-एनसीएफ-आईओसी-आईओएफ समझौता ज्ञापन के अंतर्गत गोलकुंडा किला का फलक और पगडंडी प्रदीप्तन दिसंबर 2023 में पूरा हुआ. वास्तुगत फलक को उष्म सफेद प्रकाशों से और प्रवेश और बरदारी कक्ष को तिरंगा प्रतिमान में प्रदीप्तित किया गया.

गोलकुंडा किला, हैदराबाद

गोलकुंडा किला, हैदराबाद

ii) निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण

एनसीएफ -दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी के बीच निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ. दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी (डीसीएसी)पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर-आसनसोल क्षेत्र के आसपास के क्षेत्र में निष्पादन कलाओं एवं संस्कृति को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।डीसीएसी की पहल का मुख्यतः जिला स्तर पर बहूत ही स्थानीय महत्व है। संगठन का उद्देश्यसंस्कृति घटक के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेलकूद के पहलुओं सहित बहु-विषयक है।

डीसीएसी में कार्यकलाप

(iii) सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय, वाराणसी का उन्नयन

सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय के उन्नयन के लिए एनसीएफ-सोनी इंडिया प्रा. लि.-एएसआई के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। कार्य के क्षेत्र में सारनाथ संग्रहालय में सुरक्षा व्यवस्था (अधुनातन एनवी आईटीएस प्रणाली सहित उन्नत सीसीटीवी का संस्थापन), दर्शकों की तलाशी के लिए सुरक्षा एजेंसी से कार्मिक की नियुक्ति, वृक्ष के

नीचे दर्शकों के लिए बैठक प्लाजा का विकास, व्याख्यान केंद्र का उन्नयन, संग्रहालय के प्रवेश द्वारा पर गढ़ित शेड आदि शामिल था।

संस्थापित सीसीटीवी की निगरानी इकाई

बैठने के स्थान का कैमरा

बैठक कक्ष

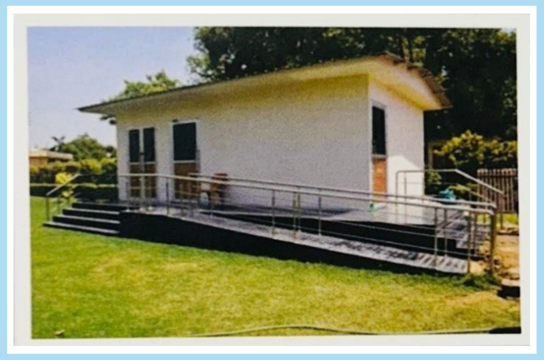

संग्रहालय का सुरक्षा कक्ष

(iv) राष्ट्रपति निलयम, सिकंदराबाद, तेलंगाना में ध्वज स्तंभ की प्रतिकृति को ऊपर उठाना राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन (पीएस-आरबी), आईआईएफसीएल, एनसीएफ, एएसआई एवं एनबीसीसी के बीच 19 दिसंबर 2023 को एक पंचपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। परियोजना को भारत अवसंरचना वित कंपनी लि. (आईआईएफसीएल) द्वारा वित्तपोषित किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रपति निलयम, सिकंदराबाद, तेलंगाना में सिविल, प्रकाशन, प्रदीप्तन और वागबानी कार्य सहित भूदृश्यन के साथ 120 फीट ऊँचा लकड़ी के झंडा पोस्ट की अनुकृति का नियोजन, डिजाइनिंग एवं इसे उठाने का काम पूरा हुआ। इसका उद्घाटन दिनांक 21 दिसंबर 2023 को राष्ट्रपति निलयम, सिकंदराबाद, तेलंगाना में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा किया गया।

संग्रहालय का सुरक्षा कक्ष

भारत की माननीय राष्ट्रपति राष्ट्रपति निलयम, सिकंदाराबाद , तेलंगाना में परियोजना का उद्घाटन करती हुई

7. 2023-24 में एनसीएफ की नई पहलें

(क) दानदाता वित्तपोषित

एएसआई हंपी संगहालय, कमलपुरा, कर्नाटक के डिजीटल उन्नयन के लिए 2 जून 2023 को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कियागया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने रु. 3.25 करोड़ का अंशदान दिया है। इस परियोजना के जरिए ज्ञान आधारित नेवीगेशन के साथ वृद्धि द्वारा स्थल पर भौतिक विरासत अनुभवों कोउन्नत किया जाएगा और हंपी के सांस्कृतिक विषयों पर नवीन एवं नवाचारी भौतिक एवं आभासी प्रदर्शों के सृजन द्वारा हंपी की कहानियों के बारे में इमर्सिव हंपी शो द्वारा स्थलों के जरिए आभासी वाक दिखाते हुए हंपी स्मारकों के 3डी प्रिंटेड अनुकृति और अधिक सूचना प्राप्त करने के लिए आदान उपकरणों का उपयोग करके उनके साथ प्रयोगकर्ता को संपर्क की अनुमति देकर सूचना को अभिलेखित किया जाएगा । आभासी हंपी संग्रहालय - वेब पर उपलब्ध एक डिजीटल स्थान है, जो

कमलपुरा में मौजूदा एएसआई हंपी संग्रहालय एवं हंपी के सामाजिक एवं सांस्कृतिक

जीवन के पुनःसृजन का वीआर अनुभवों को पूरित करेगा। इस परियोजना को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है और विजारा टेक्नोलोजीज प्रा. लि. द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

(ख) एनसीएफ वित्तपोषित परियोजनाएं

विरासत परिरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को सुकर बनाने के अलावा, एनसीएफ का उद्देश्य भारत की समकालीन संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के पोषण के लिए संगठनों को अनुदान की मंजूरी और सहायता भी प्रदान करना है। निम्नलिखित परियोजनाओं को 5 जुलाई, 2023 को सचिव (संस्कृति) की अध्यक्षता में आयोजित ईसी की 29वीं बैठक में अनुमोदित किया गया:

(i) राजस्थान की मौखिक परम्पराओं का परिरक्षण

परियोजना लागत : 41 लाख

प्रस्तावक : रेख्ता प्रतिष्ठान, नोएडा, उत्तर प्रदेश

परियोजना सार : एनसीएफ और रेख्ता प्रतिष्ठान के बीच 18 सितम्बर 2023 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ| परियोजना का उद्देश्य राजस्थान की पांच मौखिक परम्पराओं और कला रूपों का परिरक्षण, डिजीतलीकरण, लोकतंत्रीकरण पहुँच संवर्धन है:

- कवाड
- फड़ पेंटिंग
- बहुरुपिया
- कठपुतली
- कुम्हारों की मोलेला कला

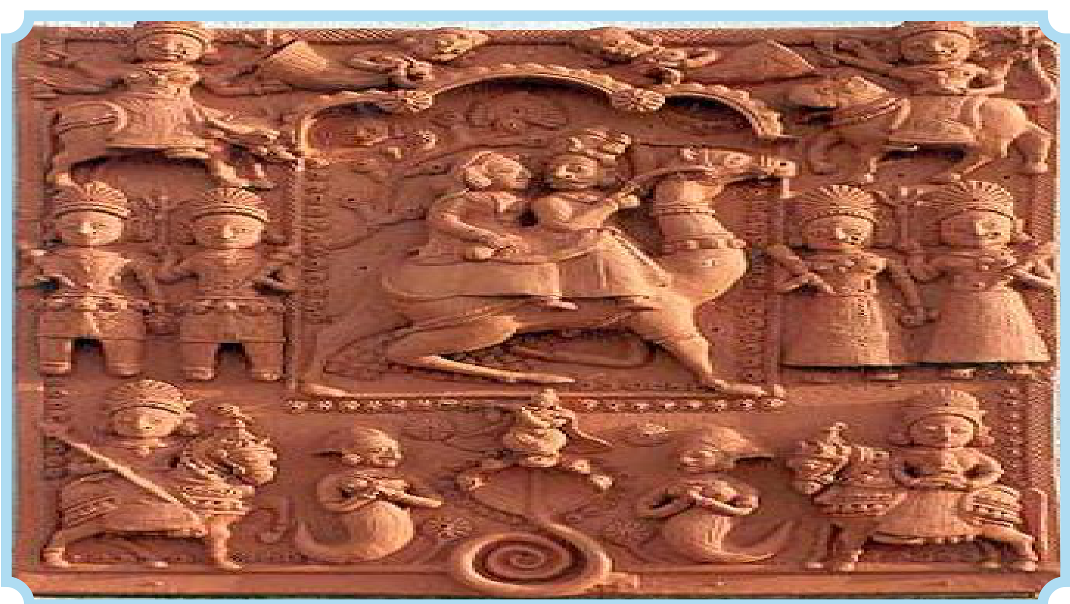

मोलेला कला रूप

(ii) 16 संस्कारों पर एक व्यापक मोनोग्राफ और भारत की 64 कलाओं का एक लघु विश्वकोशीय रूप तैयार करना

परियोजना लागत : 7.12 लाख

प्रस्तावक : संस्कृति प्रतिष्ठान, मैसूर, कर्नाटक

परियोजना सार : एनसीएफ और संस्कृति प्रतिष्ठान के बीच 18 सितम्बर 2023 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। परियोजना सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और संस्कृति प्रतिष्ठान, मैसूर ने इन संस्कारों पर एक व्यापक मोनोग्राफ तैयार कर लिया है। संस्कार को मनुष्य के लिए एक अनिवार्य नियम माना गया है. 16 संस्कार मानव जीवन चक्र के पूरी यात्रा को कवर करता है।

हिन्दुओं में 16 संस्कार

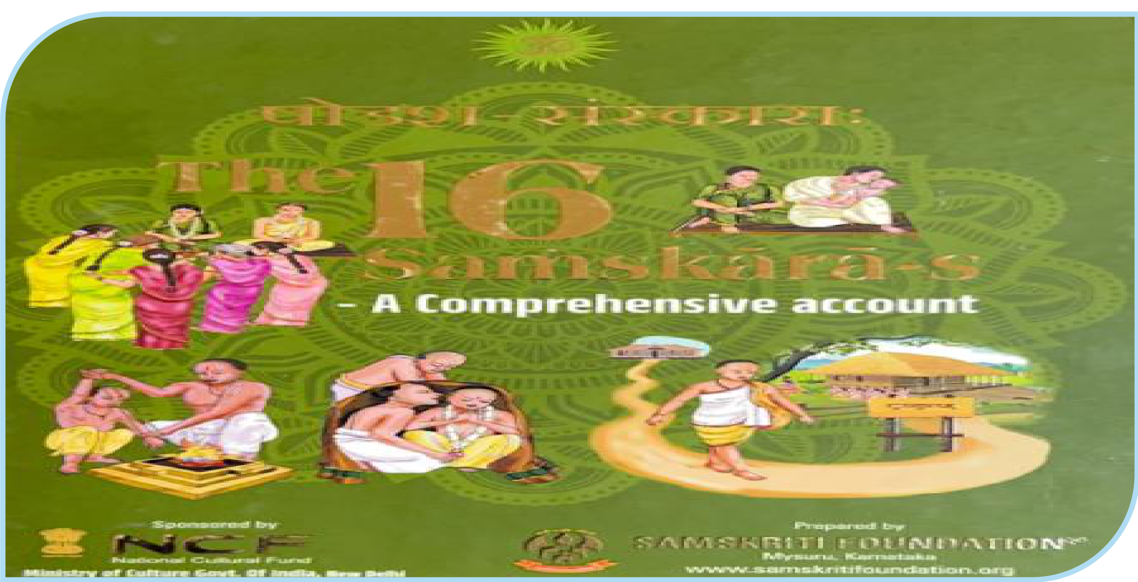

16 संस्कारों पर मोनोग्राफ

8. चालू परियोजनाएं : 2023-24

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के अंतर्गत कुल 16 चालू परियोजनाएं हैं। परियोजनाओं और दानदाताओं के विवरण संलग्नक-II में दिए गए हैं। परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है :

i) कमलपुरा, कर्नाटक में एएसआई हम्पी संग्रहालय का डिजीटल उन्नयन

दाता	:	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई)
भागीदारी	:	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण -एनसीएफ-एएसआई
परियोजना	:	कमलपुरा, कर्नाटक में एएसआई हम्पी संग्रहालय का डिजीटल उन्नयन

इस परियोजना के जरिए ज्ञान आधारित नेवीगेशन के साथ वृद्धि द्वारा और हंपी के सांस्कृतिकविषयों पर नवीन एवं नवाचारी भौतिक एवं आभासी प्रदर्शों के सृजन द्वारा हंपी की कहानियों के बारे में इमर्सिव हंपी शो द्वारा सूचना को अभिलेखित करके, स्थलों के जरिए आभासी वाक दिखाते हुए हंपी

स्मारकों के 3डी प्रिंटेड अनुकृति और अधिक सूचना प्राप्त करने के लिए आदान उपकरणों को उपयोग करके उनके साथ प्रयोगकर्ता को संपर्क की अनुमति देकर स्थल पर भौतिक विरासत अनुभवों को उन्नत किया जाएगा। आभासी हंपी संग्रहालय - वेब पर उपलब्ध एक डिजीटल स्थान, जो कमलपुरा में मौजूदा एएसआई हंपी संग्रहालय एवं हंपी के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन के पुनःसृजन का वीआर अनुभवों को पूरित करेगा। इस परियोजना को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है और विजारा टेक्नोलोजीज प्रात्र लि. द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

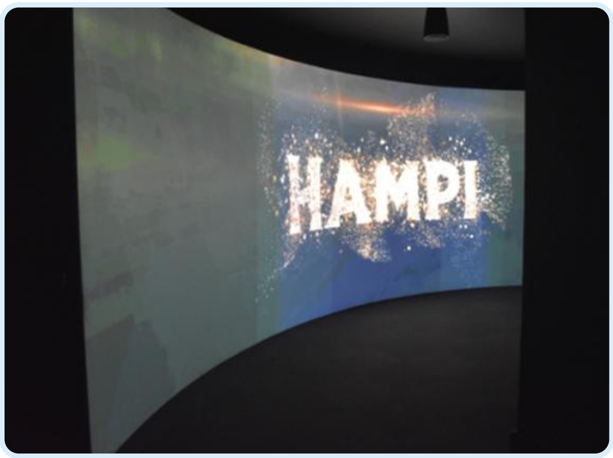

एएसआई हम्पी संग्रहालय में एआर एवं वीआर कार्य

ii) देवबलोदा, छत्तीसगढ़ में विरासत स्थल का पुनर्स्थापन एवं विकास

दाता	:	सेल – भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)
भागीदारी	:	सेल – भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)-एन सी एफ-ए एस आई.
परियोजना	:	देवबलोदा, भिलाई, छत्तीसगढ़ में केन्द्रीय संरक्षित स्मारक का पुनर्स्थापन एवं विकास

छत्तीसगढ़ में स्थित देवबलोदा शिव मंदिर भगवान शिव को समर्पित एक प्राचीन और आदरणीय शिव मंदिर है. इस मंदिर का अत्यधिक आध्यात्मिक महत्त्व है और यह आशीर्वाद और दिव्य हस्तक्षेप चाहने वाले भक्तों के लिए एक पूजा स्थल और तीर्थस्थल है| शांत परिवेश और एतिहासिक महत्त्व देवबलोदा शिव मंदिर को आध्यात्मिक खोज के लिए एक प्रसिद्ध स्थान बनाता है |परियोजना को 2 चरणों में पूरा किया जाएगा और इसकी कुल लागत रु. 2.82 करोड़ है। किए जाने वाले कुछ कार्यकलाप हैं : संरक्षित क्षेत्र में टैंक का पुनर्स्थापन, नंदी मंडप का पुनर्स्थापन, स्मारक का प्रदीप्तन, विद्युत थंडर लाईटिंग अरेस्टर का संस्थापन, मूर्ति शेड का निर्माण, पेयजल सुविधा, सूचना, दिशा संकेतक आदि।

देवबलोदा मंदिर, छत्तीसगढ़

iii) श्री लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, नुग्गेहाली, चन्नारयापतना तालुक, हासन जिला कर्नाटक में संरक्षण कार्य एवं पर्यटक सुविधाएं प्रदान करना

दाता	:	श्रीमती नागारत्तनम्मा (वासुकी नागेन्द्र)
भागीदारी	:	श्रीमती नागारत्तनम्मा (वासुकी नागेन्द्र)-एन सी एफ-ए एस आई.
परियोजना	:	श्री लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, नुग्गेहाली, चन्नारयापतना तालुक, हासन जिला कर्नाटक में संरक्षण कार्य एवं पर्यटक सुविधाएं प्रदान करना

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, नुग्गेहाली गाँव, हासन जिला, कर्नाटक, भारत में होयसल वास्तुकला के साथ 13वीं शताब्दी का एक हिन्दू मंदिर है. लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर का निर्माण राजा वीर

सोमेश्वर के शासन के दौरान होयसल साम्राज्य द्वारा 1246 ई. में किया गया था. यह 13वी सदी होयसल का एक अच्छा उदाहरण है|

श्री लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, नुग्गेहाली के काम में शामिल हैं – पुराना चूना गारा को मंदिर के छत से हटाना और रिसाव को रोकने के लिए नया कंक्रीट को फिर से बिछाना; मंदिर के भीतर से ग्रिल को हटाना और सामग्रियों के भंडारण के लिए मंदिर के बाहर ग्रिल लगाना; पूरे मंदिर का विद्युतीकरण; यज्ञशाला और पाकशाला की मरम्मत; नया ध्वज स्तंभ लगाना; सभी गर्भागृहों में सागौन का नया दरवाजा लगाना; क्लोज सर्किट (सीसी) कैमरा लगाना; पर्यटकों के लिए प्रसाधन खंड का निर्माण और पेयजल की सुविधा| कुल परियोजना लागत रु. 1.10 करोड़ है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, नुग्गेहाली, कर्नाटक

iv) एसबीआई-एनसीएफ-आईजीएनसीए –एल-1 बैरक, लाल किला, दिल्ली में आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केंद्र का विकास

दाता	:	भारतीय स्टेट बैंक (एस बी आई)
भागीदारी	:	भारतीय स्टेट बैंक -एन सी एफ-आईजीएनसीए
परियोजना	:	एल-1 बैरक, लाल किला, दिल्ली में डिजाइन के लिए आत्मनिर्भर भारत केंद्र का विकास

भारतीय स्टेट बैंक (एस बी आई) ने अपनी कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी (सीएसआर) पहल के भाग के रूप में आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केंद्र (एबीसीडी) परियोजना के लिए रू. 10 करोड़ का अंशदान दिया है. भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग एवं प्रमुखता वाले उत्पादों को प्रदर्शित करने और

बढावा देने, भौगोलिक संकेत चिन्ह वाले उत्पादों को बढावा देने एवं उसका उत्सव मनाने , क्योंकि यह उस क्षेत्र की विशिष्ट विशेषताओं के साथ संचारित एक विशिष्ट भौगोलिक मूल का प्रतीक है| इस पहल के जरिये जीआई उत्पादों के आर्थिक मूल्यवर्धन की संकल्पना की गई है और यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता की कहानी की दिशा में भारत से जीआई उत्पादों के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकता है| उपयुक्त रूप से 'आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केंद्र' कहा जाने वाला यह केंद्र न केवल भारत के सबसे दुर्लभ और विशिष्ट शिल्पों की मिसाल दे रहा है, वरन लाल किला, दिल्ली में उत्पादित कला शिल्पों के लिए अनन्य एवं आला बाजार के साथ डिजाइन हस्तक्षेप को समर्थ बनाने के लिए कारीगरों और डिजाईनरों के बीच एक सहयोगात्मक स्थान भी प्रदान करता है|

एबीसीडी केंद्र का समग्र दृष्टिकोण भारत के सबसे अद्वितीय शिल्प को प्रदर्शित करने के लिए सर्जनात्मक सहयोग करने, उनके परंपरागत कौशल एवं पद्धति के लिए भारत के सभी भागों से दुर्लभ एवं मरणासन्न शिल्पों को प्रदर्शित करने, लाभकारी सहयोगों के जरिए शिल्प अर्थव्यवस्था एवं सम्बंधित समुदाय को प्रोत्साहन प्रदान करने, मास्टर शिल्पकारों, डिजाईनरों, उत्पादकों एवं क्रेताओं के बीच सर्जनात्मक एवं संसाधन पूर्ण भागीदारी को सुकर बनाने, भारत की सर्जनात्मक अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए सर्जनात्मक व्यक्तियों एवं समुदायों के एक नेटवर्क की स्थापना करने, स्वदेशी खानपान, संगीत एवं नृत्य परम्पराओं के आयोजन के लिए बहुविषयक पहुँच को सुकर बनाने, जन साधारण पहुँच कार्यनीतियों के जरिए इन प्रदर्शो के मूल्य के प्रसार के लिए जीआई कहानियों का सही अभिलेखन सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान एवं प्रलेखन के लिए काम करना है|

एल-1 बैरक, लाल किला, दिल्ली में आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केंद्र

v) विष्णुमंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह में मठ, बातेश्वर, जिला मोरेना, मध्य प्रदेश का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए एएसआई-एनसीएफ –इनफ़ोसिस प्रतिष्ठान परियोजना

दाता	:	इनफ़ोसिस प्रतिष्ठान
भागीदार	:	एएसआई-एनसीएफ-इंफोसिस प्रतिष्ठान
परियोजना विवरण	:	विष्णुमंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह में मठ, बातेश्वर, जिला मोरेना, मध्य प्रदेश का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन

बातेश्वर हिन्दू मंदिर लगभग 200 बलुआ पत्थर मंदिरों का एक समूह है और उत्तर भारतीय मंदिर वास्तुकला की गुप्त पश्चात्, प्रारम्भिक गुर्जर- प्रतिहार शैली में इनका अवशेष उत्तर मध्य प्रदेश में स्थित है| यह ग्वालियर से लगभग 35 कि.मी. उत्तर में और मोरेना शहर से लगभग 30 कि.मी. पूर्व में है. इनफ़ोसिस प्रतिष्ठान ने विष्णु मंदिर, बओदी और मठ के संरक्षण एवं परिरक्षण के लिए रू. 4 करोड़ देने की प्रतिबद्धता दिखाई है. कार्य में मंदिर का प्रलेखन, स्थिति मापन और फोटोग्राफी द्वारा वास्तुगत खंड की विस्तृत फोटोग्राफी, प्लेट से निर्मित दीवार की बाहरी परिधि को मजबूत करने और रक्षित करने के लिए भारी आकार के पत्थर चिनाई के लिए बाहरी प्लेट निर्मित दीवार के साथ आंतरिक कोर का पता लगाना और पत्थरों की सफाई और पत्थरों को रोकने के लिए स्तर-वार एवं दिशा-वार विछाई के बाद सेवा योग्य पत्थर मंदिर शिल्प तथ्य खंड की छँटाई के लिए प्रावधान शामिल है।

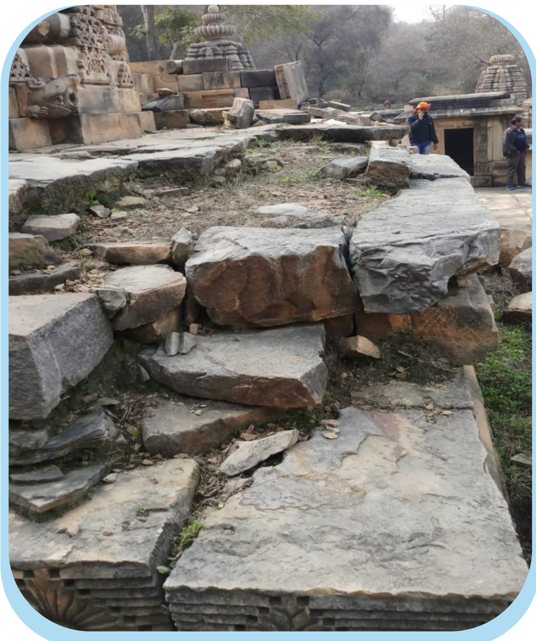
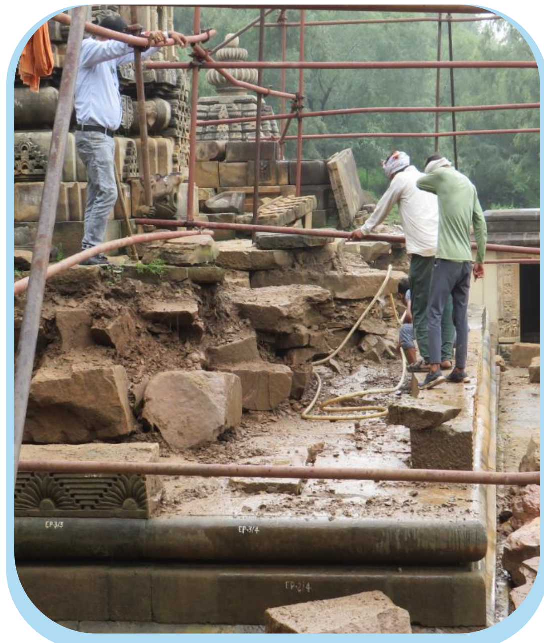

संरक्षण का काम चल रहा है

विष्णुमंदिर, बातेश्वर, म.प्र. का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन

vi) राष्ट्रीय स्मारकों में चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन

दाता	:	भारतीय अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल)
भागीदार	:	भारतीय अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल)- एनसीएफ- एएसआई
परियोजना	:	9 ए एस आई स्थलों पर राष्ट्रीय स्मारकों पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन

सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण और रक्षण शुरू करने के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ), संस्कृति मंत्रालय और भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल) के बीच 9 मार्च, 2016 को एक प्रछत्र समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। बाद में निम्नलिखित ए एस आई स्मारकों पर चक्रद्वार के साथ दर्शक प्रबंधन समाधान प्रदान करने और ऑनलाइन टिकट प्रणाली (ई-टिकट सुविधा) के साथ समेकन के लिए एन सी एफ - ए एस आई - आई आई एफ सी एल के बीच एक त्रिपक्षीय संगम ज्ञापन पर 19 नवंबर, 2017 को हस्ताक्षर हुआ:

i) लाल किला,दिल्ली
ii) कुतुबमीनार, दिल्ली
iii) हुमायूं का मकबरा, दिल्ली
iv) पुराना किला, दिल्ली
v) ताजमहल, आगरा
vi) सूर्य मंदिर, कोणार्क
vii) एलोरा गुफाएं,औरंगाबाद
viii) बीबी का मकबरा, औरंगाबाद
ix) शनिवारवाड़ा, पुणे

चक्रद्वार टिकट प्रणाली को भारत अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल) की कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी एस आर) पहल के तहत् वित्तपोषित किया जा रहा है। यह प्रणाली निश्चित रूप से स्मारक परिसरों के भीतर दर्शकों को सुगम प्रवेश प्रदान करेगा। यह मार्ग पहले की प्रवेश व्यवस्था की तुलना में बहुत ही क्रमिक और बाधामुक्त है और इसमें कम समय लगता है।

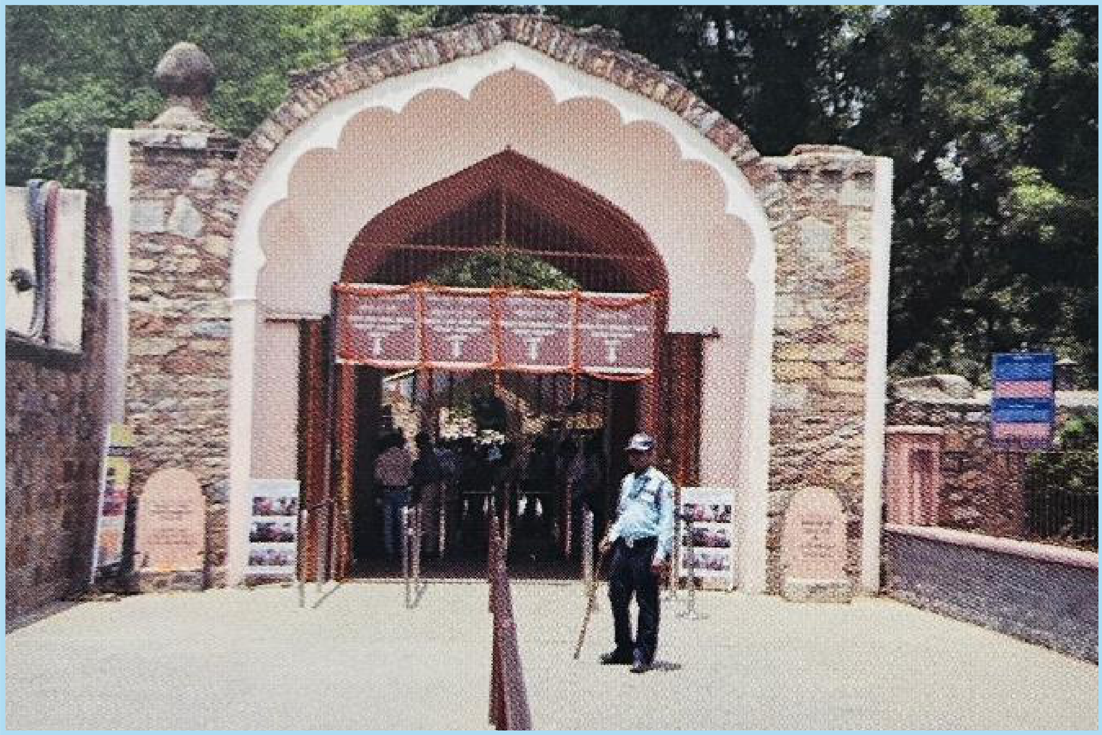

प्रवेश द्वार पर चक्रद्वार टिकट प्रणाली (कुतुब मीनार, नई दिल्ली)

vii) पुराना किला दिल्ली का संरक्षण, विकास एवं अनुरक्षण

दाता	:	राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लि. (एन बी सी सी)
भागीदार	:	राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लि. (एन बी सी सी)- एनसीएफ
परियोजना	:	पुराना किला नई दिल्ली का संरक्षण, विकास एवं अनुरक्षण

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने पुराना किला, नई दिल्ली में अनेक विकासात्मक कार्य शुरू किया है, जिसमें किले के पश्चिम और उत्तर-पश्चिम में खाई का नवीकरण, क्षेत्र का भूपरिदृश्यण, केन्द्रीय \ पुरावशेष संग्राहलय का विकास, मौजूदा पगडंडी का उन्नयन एवं मरम्मत, प्रकाशन काउंटर का संस्थापन,चक्रद्वार व्यवस्था के साथ इ-टिकट प्रणाली शुरू करना, उत्खनित अवशेषों का संरक्षण, बगीचा का विकास, दर्शकों की सुविधा के लिए पार्किंग सुविधा एवं स्मारिका की दुकान शामिल है|

इसके बाद स्मारक क्षेत्र का संरक्षण, पुनर्स्थापन, विकास, स्मारक एवं संग्रहालय का रखरखाव, स्मारकों की बेहतर प्रस्तुति एवं संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए विकास और पर्यटक से संबंधित विभिन्न सुविधाओं का विकास और इसके परिप्रेक्ष्य सहित स्मारक और इसके आसपास के इतिहास,

विरासत मूल्य को उजागर करने, पुराना किला, नई दिल्ली के समग्र क्षेत्र के बाहरी विकास के साथ झील का पुनारुद्धार, टिकटिंग के लिए एल जी ऍफ़ एस ढांचा, प्रसाधन, सुविधा खंडों और पार्किंग का निर्माण के लिए एनबीसीसी-एनसीएफ़-एएसआई के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

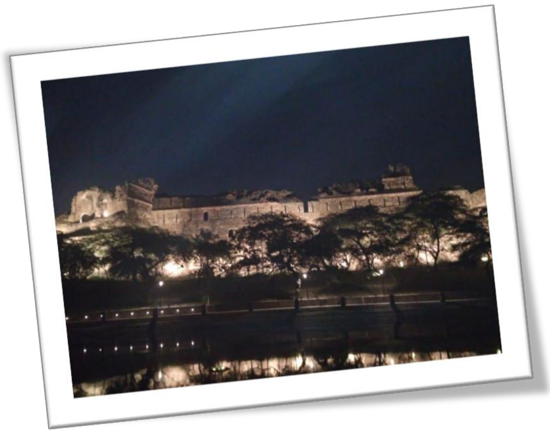
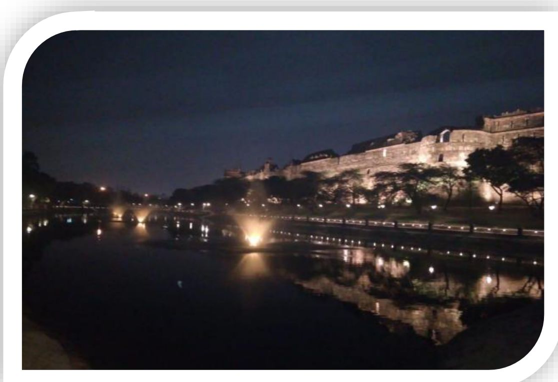
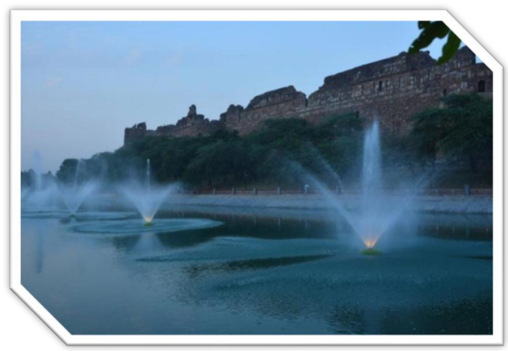

पुराना किला, नई दिल्ली के झील का प्रकाशन एवं नवीकरण

viii) हज़ारद्वारी राजमहल, मुर्शिदाबाद,पश्चिम बंगाल का उन्नयन

दाता : भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता

भागीदारी : भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता,पश्चिम बंगाल -एनसीएफ- एएसआई

परियोजना : पर्यटक के लिए सुविधाएं प्रदान करते हुए पर्यावरणीय विकास, स्मारकों का प्रदीप्तन और मुर्शिदाबाद, में हजारद्वारी महल संग्रहालय, पश्चिम बंगाल का उन्नयन

हजारद्वारी महल नवाब नाज़िम हुमायूं जाह के समय नव-शास्त्रीय शैली में निर्मित 41 एकड़

क्षेत्र में फैली तीन मंजिली इमारत है। इस महल की योजना समकालीन वास्तुकार कर्नल मैक्लियोड डंकन ने 1829 और 1837 के बीच बनाई और कार्यान्वित की थी। इस आलीशान महल के भवन की मुख्य विषेशता है इसके सममितीय फलक और डोरिक स्तम्भों पर सधे हुए त्रिभुजाकार त्रिकोणिका द्वारमण्डप तथा इस पर उत्तरी दिशा में स्थित आलीशान सीढ़ियों से चढ़ा जा सकता है। हजारद्वारी महल वर्ष1977 में भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा राष्ट्रीय महत्व का केन्द्रीय संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था और इसके अन्दर बने संग्रहालय को 1985 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नेपश्चिम बंगाल सरकार से अपने पास ले लिया था। कार्य में इसका संरक्षण, पर्यावरनीय विकास, पर्यटकों के लिए सुविधाएँ प्रदान करना, स्मारक का प्रदीप्तन और संग्रहालय प्रदर्शनी के लिए व्यावसायिक सलाह देना शामिल है।

हजारद्वारी महल, पश्चिम बंगाल

ix) अहोम स्मारक, असम का संरक्षण

दाता	:	तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (ओ एन जी सी)
भागीदारी	:	तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (ओ एन जी सी)- एनसीएफ-एएसआई
परियोजना	:	असम के शिव सागर जिले में स्थित निम्नलिखित चार अहोम स्मारकों का नवीकरण और अनुरक्षण:

- रंग घ
- रकारेंग घर (गढ़गांव)
- तलातल घर (जायसागर)
- चेराई देव स्थित मैदम समूह (कब्रगाह)

शिवसागर, भगवान शिव का सागर, भारत के असम राज्य के शिवसागर जिले में गुवाहाटी से लगभग 360 कि.मी. (224 मील) पूर्वोत्तर में एक कस्बा है। अपने इतिहास, संस्कृति और तालाबों के अलावा यह अहोम महलों और स्मारकों के लिए भी प्रसिद्ध है।

इस समझौता ज्ञापन में असम के शिवसागर जिले में स्थित अहोम स्मारकों {रंग घर, कारेंग घर (गढ़गांव), तलातल घर (जाय सागर), चेराई देव स्थित मैदम समूह} के नवीकरण और अनुरक्षण का काम शुरू करना शामिल है।

रंग घर

कारेंग घर (गढ़गांव)

x) प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास

दाता	:	नागरिक सेवा मंडल
भागीदारी	:	नागरिक सेवा मंडल-एन सी एफ-ए एस आई
परियोजना	:	प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास

अम्बरनाथ, महाराष्ट्र का शिव मंदिर, जिसे अंबरेश्वर शिव मंदिर भी कहा जाता है, 10वीं शताब्दी का भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर है। यह हेमदपंति निर्माण में पत्थर से काटा गया एक सुंदर मंदिर है। मंदिर परिसर के पुनर्स्थापन में अनुचित सीमेंट निशान को हटाना एवं सभी दरारों को भरना, मंदिर के निकट प्राचीन कुंओं से गाद निकालना, मंदिर परिसर में दर्शक सुविधाएं प्रदान करना, मंदिर का प्रदीप्तन आदि शामिल है।

प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र

xi) विक्रमशिला, बिहार के स्मारकों के समूह के परिवेश का संरक्षण एवं विकास

दाता	:	राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एन टी पी सी)
भागीदारी	:	राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एन टी पी सी) -एन सी एफ-ए एस आई

परियोजना विवरण	:	विक्रमशिला के उत्खनित परिवेश का संरक्षण एवं विकास
परियोजना	:	प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास

विक्रमशिला विश्वविद्यालय पाल वंश के दौरान नालंदा विश्वविद्यालय के साथ भारत के दो सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध अध्ययन केन्द्रों में से एक था। नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की गुणवत्ता में तथाकथित कमी आने के प्रतिक्रिया स्वरूप विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना राजा धर्मपाल (783 से 820 ई.) ने की थी। विक्रमशिला बिहार में भागलपुर से लगभग 50 कि.मी. पूर्व दिशा में स्थित है।

कार्य में शामिल हैं –

i) स्मारक समूह, मांडू (होशंगशाह के मकबरा का संरक्षण, तावेली महल में विवेचन केंद्र एवं संकेतक)

ii) विक्रमशिला का उत्खनित स्थल (मठवासीय कक्षों का संरक्षण, पगडंडी का निर्माण, पार्किंग क्षेत्र का विकास, पेयजल कियोस्क का निर्माण, विवेचन केंद्र का निर्माण एवं संकेतक का निर्माण)

iii) ललितगिरी का उत्खनित स्थल (पगडंडी, मठ का पुनर्स्थापन, प्रसाधन खंडो की मरम्मत एवं संकेतक)

जल कियोस्क, विक्रमशिला

संरक्षण से पहले

संरक्षण के दौरान

xii) हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार

दाता : यूको बैंक

भागीदारी : यूको बैंक-एन सी एफ-ए एस आई

परियोजना : हिडिम्बा देवी मंदिर में पर्यटक सुविधाओं का सुधार

हिडिम्बा देवी मंदिर मनाली में स्थित है जिसे हिडिम्बा मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह भारतीय महाकाव्य महाभारत की एक देवी को समर्पित प्राचीन गुफा मंदिर है। यह मंदिर हिमालय की तलहटी में देवदार वन से घिरा हुआ है। यह मंदिर जमीन से निकली एक बड़ी चट्टान के ऊपर बना है, जिसकी पूजा एक देवी के रूप में की जाती थी। इस संरचना का निर्माण 1553 में हुआ था।

हिडिम्बा देवी मंदिर में बारीक नक्काशी वाले लकड़ी के दरवाजे हैं और मंदिर के ऊपर लकड़ी का 24 मीटर ऊंचा 'शिखर' या मीनार है। इस मीनार में लकड़ी के पट्टों से ढकी हुई तीन चौकोर छतें हैं और चोटी पर चौथी शंक्वाकार छत पीतल की है। मुख्य द्वार की नक्काशी का मुख्य विषय पृथ्वी देवी दुर्गा है।

कार्य में पर्यटक सुविधाएं और इस स्मारक के बगीचों का नवीकरण एवं प्रसाधन खंडों का निर्माण शामिल है ।

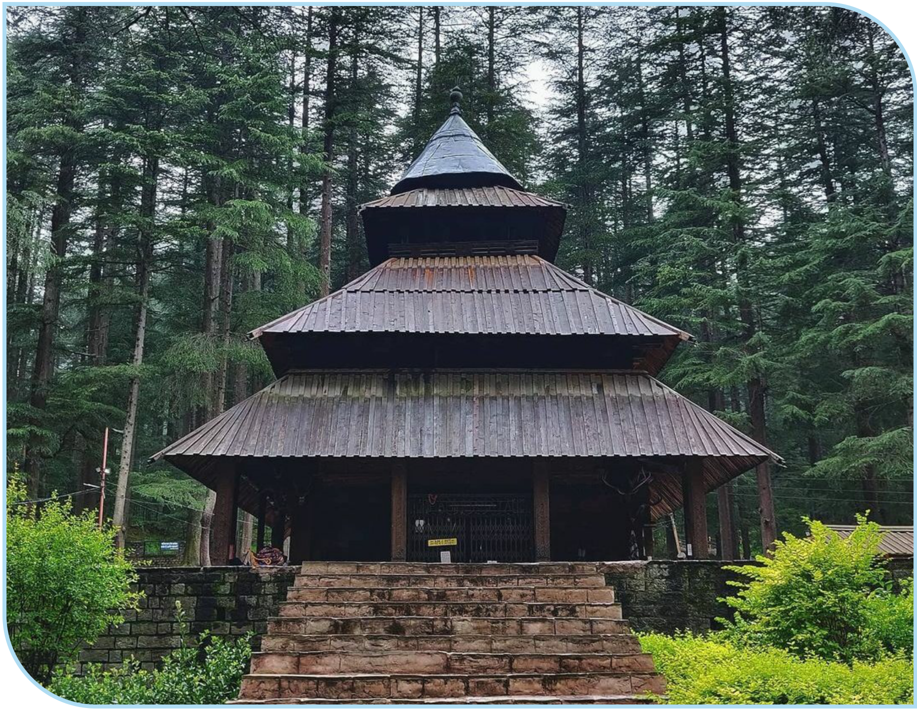

हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हि. प्र.

xiii) लौरिया नंदनगढ़, चंकीगढ़ और रामपुरवा, पश्चिम चंपारण, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास

दाता	:	सेल -बोकारो इस्पात संयंत्र
भागीदारी	:	बोकारो इस्पात संयंत्र (सेल) -एनसीएफ-एएसआई
परियोजना	:	बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में लौरिया नंदनगढ़, चंकीगढ़ और रामपुरवा में अवसंरचना तथा अन्य सुविधाओं का विकास

लौरिया नंदनगढ़, लौरिया नवन्दगढ़ भी उत्तर भारत में बिहार राज्य के नरकटियागंज (या शिकारपुर) से करीब 14 कि.मी. और पश्चिम चंपारण जिले में बेतिया से 28 कि.मी. दूर एक शहर या कस्बा है. यह बूढ़ी गंडक नदी के किनारे स्थित है. इस गाँव का नाम वहां स्थित अशोक के स्तम्भ (लौर) और स्तम्भ के करीब 2 कि.मी. दक्षिण-पश्चिम स्थित स्तूप टीला नंदनगढ़ (रूपांतर नानाद्गढ़) से लिया गया है. मौर्य युग के अवशेष यहाँ पाए गए हैं .

लौरिया नंदनगढ़ में इस विशाल स्तूप में पर्यटक सुविधाओं के विकास में बगीचा में बेंचो का प्रावधान , पेयजल के लिए कियोस्क , अंगरेजी एवं हिंदी में उत्खनन के साथ लाल गेनाईट पत्थर पर संकेतक शामिल है. काई, सेवार, घने वनस्पति वृद्धि एवं मलबा को हटाकर, बगल के ढलान को समतल करने के साथ 30 से.मी. गहराई तक कीचड़/धब्बा हटाकर और स्थल से 200 मीटर दूर मिट्टी के निपटान तथा तालाब के आसपास पगदंडी का प्रावधान करके तालाब की मरम्मत का प्रस्ताव है.

नंदनगढ़ और चंकीगढ़ में पर्यटक सुविधाओं का विकास

रामपुरवा में विकास कार्य

xiv) लोधी मकबरा, नई दिल्ली के स्मारकों का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण

दाता : भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि.

भागीदारी : भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. -एन सी एफ-ए एस आई

परियोजना : लोधी मक़बरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण।

लोधी उद्यान में स्थित स्मारक पूर्व मुग़ल कालीन इमारतों के सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं

और शहर के भीतर एक निशान की तरह खड़े हैं। लोदी का मकबरा प्रसिद्ध लोदी उद्यान के बीचों बीच स्थित है। उन्होंने संयुक्त रूप से संरक्षण, परिरक्षण, अनुरक्षण एवं भूचित्रण के लिए लोदी उद्यान के भीतर स्थित निम्नलिखित स्मारकों की पहचान की है: (क) सिकंदर लोदी का मकबरा, (ख) शीश गुंबद, (ग) बड़ा गुंबद, मस्जिद, (घ) मोहम्मद शाह का मकबरा, (ड.) आठपुला (पुराना लोदी पुल)

शीश गुंबद

बड़ा गुंबद

xv) जंतर मंतर , नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं उन्नयन

दाता : अपीजी सुरेंद्रा पार्क होटल्स लि. (ए एस पी एच एल)

भागीदारी : अपीजी सुरेंद्रा पार्क होटल्स लि.-एन सी एफ-ए एस आई

परियोजना : जंतर मंतर , नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं उन्नयन।

जंतर मंतर जयपुर के महाराजा जय सिंह II द्वारा बनवाए गए विभिन्न खगोलीय वेधशालाओं में से एक है. जंतर मंतर के भीतर विभिन्न अमूर्त ढाँचे वास्तव में वे उपकरण हैं, जिनका उपयोग खगोलीय पिंडों का ट्रैक रखने के लिए किया जाता था. अर्थात जंतर मंतर न केवल खगोलीय पिंडों का समयपाल है, वरन यह राजपूत राजाओं के अधीन प्रौद्योकीय उपलब्धियों और खगोल विज्ञान के सम्बन्ध में रहस्यों के समाधान के उनके प्रयासों के बारे में बहुत कुछ कहता है. दिल्ली का जंतर मंतर सवाई जय सिंह II द्वारा बनवाए गए पांच वेधशालाओं में से केवल एक है और चार अन्य जयपुर, वाराणसी, उज्जैन और मथुरा में स्थित हैं.

दिल्ली में जंतर मंतर के प्रवेश द्वार को कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी (सी एस आर) के भाग के रूप में ख़ूबसूरत बनाया गया है. अपीजी सुरेंद्रा पार्क होटल्स लिमिटेड और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की भागीदारी में राष्ट्रीय संस्कृति निधि द्वारा इस सौन्दर्यीकरण परियोजना को शुरू किया गया है, जिसमें बुकिंग काउंटर और प्रवेश द्वार को ख़ूबसूरत किया जाना शामिल है. इस पहल का उद्देश्य दर्शक के अनुभव को बढ़ाना और इस प्राचीन खगोलीय वेधशाला के ऐतिहासिक महत्त्व का परिरक्षण है.

श्रीमती प्रिया पॉल, अध्यक्ष और श्री गुरप्रीत सिंह, उपाध्यक्ष वित्त, एएसपीएचएल के अन्य टीम सदस्यों के साथ, जंतर-मंतर, नई दिल्ली परियोजना के लिए समूह दाता.

xvi) धमेश स्तूप (सारनाथ) एवं महापरिनिर्वाण मंदिर (कुशी नगर), उत्तर प्रदेश के लिए विजित धम्मानुवत (वोंग) भिक्कू (समूह), थाईलैंड से दान

धम्मानुवत (वोंग) भिक्कू, एक थाई वरिष्ठ नागरिक समूह ने महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों के परिरक्षण एवं अनुरक्षण के लिए दान दिया है और धमेश स्तूप (सारनाथ) एवं महापरिनिर्वाण मंदिर (कुशी नगर) के परिरक्षण को चुना है.

इस परियोजना के अंतर्गत अवसंरचना विकास कार्य जैसे की संकेतक, पगडंडी विकास, स्तूप के रेलिंग की मरम्मत/संरक्षण का काम किया जाएगा.

सारनाथ में धमेश स्तूप

कुशी नगर में महापरिनिर्वाण मंदिर

9) अनुलग्नक - I (सामान्य परिषद और कार्यकारी समिति):

अनुलग्नक - I

सामान्य परिषद		
1.	माननीय संस्कृति मंत्री	अध्यक्ष (पदेन)
2.	सचिव (संस्कृति)	सदस्य (पदेन)
3.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
4.	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
5.	महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	सदस्य (पदेन)
6.	उप सचिव/निदेशक, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)सदस्य (पदेन)	सदस्य (पदेन)
7.	श्री मिलिन्द काबले	सदस्य(अशासकीय)
8.	श्री हर्षवर्धन नियोटिया	सदस्य(अशासकीय)
9.	श्री विशद पी. मफतलाल	सदस्य(अशासकीय)
10.	श्रीमती सुधा मूर्ति	सदस्य(अशासकीय)
11.	श्री पी. मुरली	सदस्य(अशासकीय)
12.	डा. चिन्मय पांड्या	सदस्य(अशासकीय)
13.	श्रीमती ऊर्वशी गांधी	सदस्य(अशासकीय)
14.	श्रीमती लखीमी बरूआ	सदस्य(अशासकीय)

15.	श्रीमती शीला बालाजी	सदस्य(अशासकीय)
16.	डा. कल्पना सरोज	सदस्य(अशासकीय)
17.	श्रीमती वीणा सिकरी	सदस्य(अशासकीय)
18.	श्री सुधीर मेहता	सदस्य(अशासकीय)
19.	श्री जंगचुप चोईदेन	सदस्य(अशासकीय)
20.	श्री अनुराग सिंघल	सदस्य(अशासकीय)
21.	श्री जेर्री राव	सदस्य(अशासकीय)
22.	श्री ए. नारायण राजू	सदस्य(अशासकीय)
23.	श्री सुब्बा रेड्डी	सदस्य(अशासकीय)
24.	श्रीमती श्रीविद्या गुनामपल्ली	सदस्य(अशासकीय)
25.	श्री कवेश तलवार	सदस्य(अशासकीय)

कार्यकारी समिति		
1.	सचिव (संस्कृति)	अध्यक्ष (पदेन)
2.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
3.	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
4.	महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	सदस्य (पदेन)

5.	उप सचिव/निदेशक ,संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य सचिव (पदेन)
6.	श्री हर्षवर्धन नियोटिया	सदस्य(अशासकीय सदस्य)
7.	श्रीमती सुधा मूर्ति	सदस्य(अशासकीय सदस्य)
8.	डा. कल्पना सरोज	सदस्य(अशासकीय सदस्य)
9.	श्री सुधीर मेहता	सदस्य(अशासकीय सदस्य)
10.	श्री ए. नारायण राजू	सदस्य(अशासकीय सदस्य)
11.	श्रीमती श्रीविद्या गुनामपल्ली	सदस्य(अशासकीय सदस्य)

10) अनुलग्नक – II (चालू परियोजना 2023-24):

अनुलग्नक – II

क्र. सं.	परियोजना	दाता
1	कमलपुरा, कर्नाटक में एएसआई हम्पी संग्रहालय का डिजीटल उन्नयन	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
2	देवबलोदा, भिलाई, छत्तीसगढ़ में विरासत स्थल का पुनर्स्थापन एवं विकास	सेल – भिलाई इस्पात संयंत्र
3	श्री लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, नुग्गेहाली, कर्नाटक में संरक्षण कार्य एवं पर्यटक सुविधाएं प्रदान करना	श्रीमती नागारत्तनम्मा/ वासुकी नागेन्द्र (वैयक्तिक दाता)
4	एल-1 बैरक, लाल किला, दिल्ली में डिजाइन के लिए आत्मनिर्भर भारत केंद्र (एबीसीडी)का विकास	भारतीय स्टेट बैंक (एस बी आई)
5	विष्णुमंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह में मठ, बातेश्वर, जिला मोरेना, मध्य प्रदेश का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए एएसआई-एनसीएफ –इनफ़ोसिस प्रतिष्ठान परियोजना	इन्फोसिस प्रतिष्ठान
6	9 स्थलों पर राष्ट्रीय स्मारकों में चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन	भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लि. (आई आई एफ सी एल)
7	पुराना किला, दिल्ली का संरक्षण, विकास एवं अनुरक्षण	राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (एन बी सी सी)
8	हजारद्वारी महल, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का पर्यावरणीय विकास, पर्यटक के लिए सुविधाएं प्रदान करना, स्मारकों का प्रदीप्तन और उन्नयन	भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता
9	शिवसागर जिला, असम में अहोम स्मारक समूह {रंग घर, कारेंग घर (गढ़गांव), तलातल घर, चेराई देव में चार स्थित मैदमों का समूह}	तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओ एन जी सी)
10	प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास	नागरिक सेवा मंडल
11	विक्रमशिला, बिहार के उत्खनित परिवेश का संरक्षण एवं विकास	राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एन टी पी सी)
12	हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार	यूको बैंक, चंडीगढ़
13	लौरिया नंदनगढ़, चंकीगढ़ एवं रामपुरवा, पश्चिम चंपारण, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास	सेल – बोकारो इस्पात संयंत्र
14	लोधी मकबरा, नई दिल्ली के स्मारकों का संरक्षण, परिरक्षणएवं भूचित्रण	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. (सेल)
15	जंतर मंतर , नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं उन्नयन	अपीजी सुरेंद्रा पार्क होटल्स
16	धमेश स्तूप (सारनाथ) एवं महापरिनिर्वान मंदिर (कुशी नगर), उ.प्र.के लिए	समूह "विजित धम्मानुवत" (वोंग) भिक्कू (समूह), थाईलैंड

राष्ट्रीय संस्कृति निधि का वित्तीय विवरण वित वर्ष 2023-24

11) परीक्षण विवरण :

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय), नई दिल्ली
DGACE@CAG.GOV.IN

सत्यमेव जयते

DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL EXPENDITURE), NEW DELHI
DGACR Building, I.P. Estate, New Delhi-110002.
DGACE@CAG.GOV.IN

Ltr No: Audit Management Group - V/2025-2026/DIS-2788694
Date: 18 Jul 2025

To,

श्री अरविंद कुमार
सदस्य सचिव
राष्ट्रिय संस्कृति निधि
पांचवा तल, पुरातत्व भवन, डी-ब्लॉक
जी.पी.ओ. कॉम्प्लेक्स, आई.एन.ए.
नई दिल्ली-110 023

Subject: वर्ष 2023-24 के लिए, राष्ट्रीय संस्कृति निधि, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

Sir/Madam,

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110001

विषय: वर्ष 2023-24के लिए, राष्ट्रीय संस्कृति निधि नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मैं, राष्ट्रीय संस्कृति निधि, नई दिल्ली के वर्ष 2023-24 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न कर रही हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये की 2023-24 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आप के निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण(disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीया,

हस्ता/-

उप-निदेशक (ए.एम.जी-II)

ए.एम.जी–II/एस.ए.आर/एन.सी.एफ./ 8-2/2025-26/
दिनाँक: .07.2025

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित, श्री अरविंद कुमार, सदस्य सचिव, राष्ट्रिय संस्कृति निधि, पांचवा तल, पुरातत्व भवन, डी-ब्लॉक, जी.पी.ओ. कॉम्प्लेक्स, आई.एन.ए., नई दिल्ली-110 023 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है। वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की एक प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

संलग्नक: यथोपरि।

Yours faithfully,

Taanya Ambastha
Deputy Director

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा
(केन्द्रीय व्यय),
ऑडिट भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली–110002

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
OF AUDIT (CENTRAL EXPENDITURE),
AUDIT BHAWAN, INDRAPRASTHA ESTATE,
NEW DELHI-110002

ए.एम.जी-II/एस.ए.आर/एन.सी.एफ./8-2/2025-26/ दिनाँक: .07.2025

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110001

विषय: वर्ष 2023-24 के लिए, राष्ट्रीय संस्कृति निधि, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मैं, **राष्ट्रीय संस्कृति निधि, नई दिल्ली** के वर्ष 2023-24 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न कर रही हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये की 2023-24 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षो के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यो को आप के निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीया,

हस्ता/-
उप-निदेशक (ए.एम.जी-II)

दूरभाष /Telephone :91-11-23702422, फैक्स / Fax : 91-11-23702271, ई-मेल /E-mail : dgace@cag.gov.in

ए.एम.जी-II/एस.ए.आर/एन.सी.एफ./ 8-2/2025-26/ 309 दिनॉक: 18.07.2025

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित, **श्री अरविंद कुमार, सदस्य सचिव, राष्ट्रिय संस्कृति निधि, पांचवा तल, पुरातत्व भवन, डी-ब्लॉक, जी.पी.ओ. कॉम्प्लेक्स, आई.एन.ए., नई दिल्ली-110 023** को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है। वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की एक प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियॉ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

संलग्नक: यथोपरि।

तान्या अग्रवाल
18.07.25

उप-निदेशक (ए.एम.जी-II)

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन

हमने नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का (कर्त्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के तहत 31 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) के संलग्न तुलन पत्र और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय संस्कृति निधि प्रबंधन की जिम्मेवारी है। हमारी जिम्मेवारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करनी है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन पद्धतियों के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानदंड और प्रगटन मानकों आदि के संबंध में केवल लेखांकन व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणी शामिल है। विधि, नियम एवं विनियम (मालिकाना एवं विनियामक) के अनुपालन और दक्षता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो, के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियां अलग से निरीक्षण रिपोर्टों/कैग के लेखा परीक्षा रिपोर्टों के जरिए सूचित की जाती हैं।

3. हमने भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा परीक्षण मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में यह अपेक्षा है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक मिथ्या विवरणों से मुक्त हैं, लेखा परीक्षा का नियोजन और निष्पादन करते हैं। लेखा परीक्षा में राशियों का समर्थनकारी साक्ष्य और वित्तीय विवरण के प्रगटन का जांच आधार पर परीक्षण शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और किए गए पर्याप्त आकलनों का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करता है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि:

i) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के लिए अनिवार्य थे।

ii) इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित लेखाओं के सामान्य फार्मेट में तैयार किया गया है।

iii) हमारी राय में राष्ट्रीय संस्कृति निधि द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां और अन्य संगत रिकार्ड रखे गए हैं, जहां तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता है।

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

क. सामान्य

क.1 चालू देयताएं एवं प्रावधान (अनुसूची-7) में नीचे यथा वर्णित दीर्घ लंबित देयताएं शामिल हैं:

क्र.सं.	नाम	रु. लाख में	इस अवधि से लंबित
1.	वस्तु एवं सेवाओं के लिए विविध लेनदार	7.13	मार्च 2012
2.	प्राप्त अग्रिमें	4.62	जून 2009
3.	परियोजना को वापसी योग्य राशि	13.30	पूर्व के पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट से, इस राशि की ठीक अवधि एनसीएफ द्वारा नहीं प्रकट किया गया।
4.	राष्ट्रीय संग्रहालय को देय	2.46	अप्रैल 2005 से पूर्व

इन दीर्घ लंबित देयताओं को पुनरीक्षित किए जाने और निपटाने की आवश्यकता है। संदेहास्पद राशि, यदि कोई है, के लिए प्रावधान किए जाएं। इसके अलावा, इसे पिछले वर्षों में भी इंगित किया गया था, तथापि आश्वासन दिए जाने के बावजूद एन सी एफ द्वारा कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

क.2 चैधरी चरण सिंह की जन्म शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान प्राप्त रु. 1.01 करोड़ की अव्ययित राशि मंत्रालय को मई, 2014 में लौटाई गई। तथापि, एन सी एफ द्वारा 2023-24 तक अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज की राशि को वापस नहीं किया। इसके अलावा, एनसीएफ ने 2009-10 तक अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज के रूप में रु. 0.44 लाख की राशि की गणना की थी, लेकिन 2010-11 से 2023-24 तक अर्जित ब्याज की राशि की गणना नहीं की गई और 31 मार्च, 2024 को समाप्त अवधि के लिए वार्षिक लेखे में नहीं दर्शाया गया। एनसीएफ को लेखा परीक्षा को सूचित करते हुए संबंधित प्राधिकरण को वापस किए जाने की तिथि तक ब्याज की राशि की गणना करनी चाहिए। इसके अलावा, इसे पिछले वर्षों में भी इंगित किया गया था, तथापि आश्वासन दिए जाने के बावजूद एन सी एफ द्वारा कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

क.3 चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिमें आदि (अनुसूची-11) में मार्च 2013 से लंबित 0.85 लाख के विविध ऋणी शामिल हैं। लेखाओं में न तो अति देय ऋणियों की पुनरीक्षा की गई और न ही उसके लिए कोई प्रावधान किया गया। इसके अलावा, इसे पिछले वर्षों में भी इंगित किया गया था, तथापि आश्वासन दिए जाने के बावजूद एन सी एफ द्वारा कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

क.4 तुलन पत्र की अनुसूची 3 के अनुसार एनसीएफ के अंतर्गत 43 परियोजनाएं थीं, जिसके लिए अलग बैंक खाते रखे गए थे। लेखा परीक्षा ने नोट किया कि 43 परियोजनाओं में 13 खाते निष्क्रिय/अप्रचालित/अदावित थे और 31.03.2024 को 02 खाते बंद थे।

ख. सहायता अनुदान

(करोड़ रु. में)

प्रारंभिक कारपस निधि सहित कारपस निधि का प्रारंभिक शेष	55.94
वर्ष के दौरान आंतरिक प्राप्ति	3.31

वर्ष के दौरान व्यय	11.52
अव्ययित शेष	**47.73**

अतः वर्ष के अंत में एन सी एफ के पास रु. 47.73 करोड़ का अव्ययित शेष था।

v) पूर्ववर्ती पैरा में हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा बहियों के अनुरूप है।

vi) हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर नोटों के साथ पठित और ऊपर कथित महत्वपूर्ण मामलों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सत्य और ठीक तस्वीर पेश करता है:

(क) जहां तक कि इसका संबंध 31 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि की कार्य स्थिति के तुलन पत्र से है, और

(ख) जहां तक इसका संबंध उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अतिरेक के आय एवं व्यय लेखा से है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए और उनकी ओर से

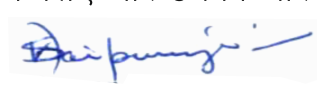

(सौरभ कुमार जयपुरियार)
महालेखा परीक्षक (केंद्रीय व्यय)
नई दिल्ली

स्थान: नई दिल्ली
तिथि: 18.07.2025

अनुबंध

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**
   - इसकी स्थापना से एन सी एफ की आंतरिक लेखा परीक्षा का आयोजन नहीं किया गया।
2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**
   - वर्ष 2023-24 के लिए एनसीएफ के वार्षिक लेखे को जीएफआर प्रावधानों के अंतर्गत यथा निर्धारित लेखा जमा करने की अंतिम तिथि अर्थात् 30.6.2024 के बाद जमा किया गया।
   - बाह्य लेखा परीक्षा आपत्तियों पर प्रबंधन का प्रत्युत्तर प्रभावकारी नहीं है, क्योंकि वर्ष 2002-03 से 2022-23 की अवधि में 47 निरीक्षण रिपोर्ट पैरे बकाए थे।
   - एनसीएफ के अंतर्गत 41 परियोजनाएं थीं, जिसके लिए अलग बैंक खाते रखे गए थे। लेखा परीक्षा ने नोट किया कि इन परियोजनाओं में से 30 में कोई खर्च नहीं हुआ है। इन परियोजनाओं को पुनरीक्षित किए जाने की आवश्यकता है।
   - एन सी एफ ने अपनी स्थापना से उप-नियम नहीं बनाए थे।
3. **परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**
   - वर्ष 2023-24 में परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन आयोजित नहीं किया गया है।
4. **वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**
   - 31.03.2024 तक लेखन सामग्री और उपभोग्य मदों का भौतिक सत्यापन आयोजित किया गया है। तथापि, एन सी एफ ने लेखा परीक्षा को कोई भौतिक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किया।
5. **सांविधिक बकायों के भुगतान में नियमितता**
   - 31.03.2024 को सांविधिक बकायों के संबंध में छह माह से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

12) लेखा परीक्षक का रिपोर्ट :

विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
एक्स वी-5352/ए (प्रथम तल)
शोरा कोठी, पहाड़गंज,
नई दिल्ली-110055
टेलीफोन: 011-45531916
इमेल आईडी : VIPUL@CASERVICES.IN

लेखा परीक्षक का रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय संस्कृति निधि के संलग्न तुलन पत्र और उसी तिथि के अनुसार प्राप्ति एवं भुगतान लेखा और आय एवं व्यय लेखा की लेखा परीक्षा की है और रिपोर्ट करते हैं कि:

क) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए अनिवार्य थे।

ख) हमारी राय में सोसायटी द्वारा विधि द्वारा यथा अपेक्षित उपयुक्त लेखा बहियां रखी गई हैं, जहां तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता है।

ग) इस रिपोर्ट में संदर्भित तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा लेखा बहियों के अनुरूप है।

घ) हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखाओं पर नोटों के साथ पठित और ऊपर कथित लेखाएं सत्य और ठीक तस्वीर पेश करता है:

(i) 31 मार्च, 2024 को एसोसिएशन के कार्य स्थिति के तुलन पत्र के मामले में,

(ii) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए निधियों के व्यय के ऊपर अतिरेक के आय एवं व्यय के मामले में,

(iii) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी के संचलन के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा के मामले में।

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

VIPUL KUMAR & CO. NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

Vipul Kumar

(भागीदार)

स्थान: नई दिल्ली

तिथि: 11/09/2024

13) तुलन पत्र :

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
मूल्यांकन वर्ष रू 2023–24
पूर्व्फ वर्ष रू 31–03–2023
पी ए एन रू AAATN 4595M
सर्कल रू सर्कल –।।
निगमन की तिथि रू 28.11.1996
बैंक/शाखा रू केनरा बैंक
बैंक खाता रू 3525101000627

मूल्यांकन योग्य आय का विवरण

		राशि (रु. में)
वर्ष के दौरान सकल प्राप्ति		
आय एवं व्या लेखा के अनुसार सकल प्राप्ति		1,684,056
घटा : सकल प्राप्ति के 15% की सीमा तक धारा 10(23ग) के तहत छूट		252,608
कुल (क)		1,431,448
घटा : वर्ष के दौरान निधियों का अनुप्रयोग		
आय एवं व्यय लेखा के अनुसार कुल व्यय	115,192,827	
घटा : भुगतान की गई आयकर शास्ति		
घटा : आय एवं व्यय लेखा को प्रभारित ह्रास	352,190	
	114,840,637	
जोड़ : वर्ष के दौरान किया गया पूंजीगत व्यय	583,539	115,424,176
वर्ष का निबल शेष		**(113,992,729)**
कर योग्य आय		**(113,992,729)**

वित्त वर्ष केवल प्रशा. एवं दान भाग		**कुल आय** **19-20 में प्रयुक्त**	**20-21में प्रयुक्त**	**21-22 में प्रयुक्त**	**22-23 में प्रयुक्त**	**(113,992,729)** **अप्रयुक्त संचय**
2022-23 का संचय	-				-	

कुल आय पर कर	-
जोड़: इसी एवं एस एच इ सी @4%	-
कुल देय कर	-
घटा : टीडीएस	**828,867**
शेष देय/ (वापसी)	**(828,867)**

वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि का लेखा विवरण

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

कार्पस/पूंजीगत निधि तथा देयताएं	अनुसूची	31.03.2024	31.03.2023
कार्पस/पूंजीगत निधि	1	47,69,73,488	55,94,35,676
रिजर्व एवं अतिरेक	2	-	-
उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	3	20,36,40,461	25,24,00,975
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	6	-	-
चालू देयताएं और प्रावधान	7	35,38,309	40,97,101
कुल		**68,41,52,258**	**81,59,33,752**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	8	16,22,783	14,05,034
निवेश –उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि से	9	.	-
निवेश – अन्य	10	-	-
चालू परिसंपत्तिया, ऋण, अग्रिम आदि	11	68,25,29,475	81,45,28,718
विविध खर्च बिंट्टे खाते में नहीं डाला गया या समायोजित नहीं की गई सीमा तकक्र		-	-
कुल		**68,41,52,258**	**81,59,33,752**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकस्मिक देयताओं और लेखाओं पर टिप्पणियां	25		

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट
समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

Vipul Kumar

विपुल कुमार
(भागीदार)

VIPUL KUMAR & CO. NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :06/08/2024

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

Dr. Arvind Kumar
Member Secretary
National Culture Fund
Ministry of Culture
Govt. of India
New Delhi-110023

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	31.03.2024	31.03.2023
बिक्री/सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान /सहायिकी	13		
शुल्क/अंशदान	14	-	-
निवेश से आय (निधियों में नहीं अंतरित उद्दिष्ट निधियों से निवेश पर आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	13,862	64,559
अर्जित ब्याज	17	8,36,704	3,46,53,732
अन्य आय	18	8,33,490	65,69,000
तैयार मामलों के भंडार में वृद्धि/(कमी) और प्रगति में कार्य	19	-	-
कुल (क)		**16,84,056**	**4,12,87,291**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	-	2,19,379
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	92,45,508	78,70,404
अनुदान, सहायिकी आदि पर व्यय	22	10,59,44,600	5,43,81,200
ब्याज	23	2,719	7,698
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में निवल कुल योग – अनुसूची 8 के अनुरूप)		3,52,190	1,86,403
कुल (ख)		**11,55,45,017**	**6,26,65,084**
व्यय की तुलना में अधिक आय के कारण शेष (क – ख)		(11,38,60,961)	(2,13,77,793)
विशेष आरक्षित निधि में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य आरक्षित निधि को/से अंतरण		-	-
अधिक/कम शेष जो कार्पस/पूंजीगत निधि में ले जाया गया		(11,38,60,961)	(2,13,77,793)
महत्वपर्णू लेखांकन नीतियां	24	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां	25	-	-

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी

सनदी लेखाकार

Vipul Kumar

VIPUL KUMAR & CO. NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

विपुल कुमार

(भागीदार)

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक :06.08.2024

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए और की ओर से

Dr. Arvind Kumar
Member Secretary
National Culture Fund
Ministry of Culture
Govt. of India
New Delhi-110023

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 – कार्पस/पूंजीगत निधि	31.03.2024		31.03.2023	
वर्ष के प्रारंभ में शेष		55,94,35,676		58,08,13,469
जोड़ें – कार्पस/पूंजीगत निधि में अंशदान	-		-	
जोड़ें/(घटाएं) – आय और व्यय लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	(11,38,60,961)		(2,13,77,793)	
	3,13,98,773			
जोड़े: धारा 11 (i) (घ) के तहत क् सपनिनधके बाग के ्् मं नियत जमा ्र ्याज		(8,24,62,188)		(2,13,77,793)
वर्ष के अंत में शेष		**47,69,73,488**		**55,94,35,676**

अनुसूची – 2 – रिजर्व एवं अतिरेक	चालू वर्ष		गत वर्ष	
1. **पूंजीगत रिजर्व**				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
2. **पुनर्मूल्यांकन रिजर्व :**				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
3. **विशेष रिजर्व :**				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
4. **सामान्य रिजर्व :**				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	निधि वार ब्यौरा				
	निधि डब्ल्यू डब्ल्यू	निधि एक्स एक्स	निधि वाई वाई	31.03.2024	31.03.2023
क) निधि का आरंभिक शेष	संलग्न अनुबंध के अनुसार			25,24,00,975	27,38,88,484
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान				4,47,80,504	3,26,00,576
ii. निधियों में से किए गए निवेशों से आय				59,97,326	65,00,193
iii. बंक ब्याज				29,88,379	32,94,487
iv. अन्य परिवर्धन (स्वरूप का उल्लेख करें)					
कुल (ख)				5,37,66,209	4,23,95,256
कुल (क+ख)				30,61,67,184	**31,62,83,740**
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
i. पूंजीगत व्यय					
– स्थायी परिसंपत्तियां					
– अन्य					
योग					
ii. राजस्व व्यय					
– वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि					
– किराया					
– अन्य प्रशासनिक व्यय				5,37,772	5,58,673
– परियोजना व्यय				10,19,88,951	6,33,24,092
योग				**10,25,26,723**	**6,38,82,765**
योग (ग)				10,25,26,723	6,38,82,765
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)				**20,36,40,461**	**25,24,00,975**

टिप्पणी :

1. अनुदानों से संबद्ध शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अधीन प्रकटन किया जाएगा।
2. केन्द्रीय/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना गत निधियां पृथक निधि के रूप में दर्शायी जाएगी और उन्हें किसी अन्य निधि के साथ नहीं मिलाया जाएगा।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में) अनुसूची–2 का अनुबंध

अनुसूची–3 उदि्दष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

	बाल अकादमी परियोजना, दुर्गापुर	हुमायूं का मकबरा परियोजना, दिल्ली	जंतर मंतर परियोजना, दिल्ली	किष्किन्धा ट्रस्ट परियोजना	शनिवारवाड़ा, पुणे परियोजना	राजा दिनकर केलकर संग्रहालय परियोजना	डी. जी. जैसलमेर किला परियोजना	देवाहुति दामोदर स्वराज ट्रस्ट परियोजना	लोधी मकबरा परियोजना	लौरिया नंदनगढ़ परियोजना – बोकारो स्टील प्लान्ट
चालू वर्ष	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
क. निधि का प्रारंभिक शेष	144,572	23,959	907,821	68,882	1,987,277	-	57,324,824	40	3,734,113	3,625,778
ख. निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	15,364	-	5,872				2,905,623		439,244	
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-		56,547	2,020	54,317	-	280,931		18,780	250,093
प्राप्त मंच किराया	-		-				-			
कुल (ख)	15,364	-	62,419	2,020	54,317	-	3,186,554		458,024	250,093
कुल (क+ख)	159,936	23,959	970,240	70,902	2,041,594	-	60,511,378	40	4,192,137	3,875,871
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय			-							
– अन्य प्रशासनिक व्यय	230	-	59	-			413			53
– परियोजना व्यय	159,596	-	720,000						-	
कुल	159,826		720,059				413			53
कुल (ग)	159,826	-	720,059	-	-		413		-	53
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	110	23,959	250,181	70,902	2,041,594	-	60,510,965	40	4,192,137	3,875,818
			-							
निधियों का योग	110	23,959	250,181	70,902	2,041,594	-	60,510,965	40	4,192,137	3,875,818
गत वर्ष	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
कक्र निधि का प्रारंभिक शेष	144,572	23,763	907,821	66,920	1,934,514	5,016	55,079,633	40	3,734,113	3,625,778
खक्र निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान	-	-		-	-	-		-		-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय							2,126,635			
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज		196	-	1,962	52,763	130	118,674			
टिकटों की बिक्री प्रिकाश एवं ध्वनि प्रदर्शनक्र	-	-			-					
प्राप्त मंच किराया	-									
कुल खिक्र	-	196	-	1,962	52,763	130	2,245,309			
कुल (क+ख)	144,572	23,959	907,821	68,882	1,987,277	5,146	57,324,942	40	3,734,113	3,625,778
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		-	36	118		-	-
– परियोजना व्यय	-	-	-	-	-	5,110	-		-	-
कुल	-	-	-	-	-	5,146	118		-	-
कुल गिक्र	-	-	-	-	-	5,146	118			
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	144,572	23,959	907,821	68,882	1,987,277	-	57,324,824	40	3,734,113	3,625,778
	-	-	-	-	-		-		-	-
निधियों का योग	144,572	23,959	907,821	68,882	1,987,277	-	57,324,824	40	3,734,113	3,625,778

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

(राशि रु. में)

	आलमबाज़ार मठ, कोलकाता परियोजना	हिडिम्बा देवी मंदिर परियोजना, मनाली	गोल गुंबद, बीजापुर–एस टी सी परियोजना	वज़ीरपुर का गुंबद – पी ई सी परियोजना	तुग़लकाबाद किला परियोजना	हम्पी फाउंडेशन परियोजना	इंडियन ऑयल फाउंडेशन परियोजना	किशोरी अमोनकर पर वृत्तचित्र परियोजना	हजारद्वारी, मुर्शिदाबाद परियोजना
चालू वर्ष	11	12	13	14	15	16	17	18	19
क. निधि का प्रारंभिक शेष	10,866,867	949,030	15,895	180,840	118,031	352,145	1,636,688	14,213	1,442,511
ख. निधि में परिवर्धन									
i. दान/अनुदान		-		-	-	-	-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	297,122	-		-		-		-	81,097
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज		23,613	434	4,943		10,714	44,734		
प्राप्त मंच किराया									
कुल (ख)	297,122	23,613	434	4,943		10,714	44,734		81,097
कुल (क+ख)	11,163,989	972,643	16,329	185,783	118,031	362,859	1,681,422	14,213	1,523,608
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय									
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	1				-	-	-	649
– परियोजना व्यय		925,000						-	-
कुल	-	925,001	-		-	-		-	649
कुल (ग)	-	925,001	-		-	-		-	649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	11,163,989	47,642	16,329	185,783	118,031	362,859	1,681,422	14,213	1,522,959
निधियों का योग	11,163,989	47,642	16,329	185,783	118,031	362,859	1,681,422	14,213	1,522,959
गत वर्ष	11	12	13	14	15	16	17	18	19
कक्र निधि का प्रारंभिक शेष	10,548,483	925,000	15,473	176,039	118,031	341,776	1,593,233	14,213	1,383,815
खक्र निधि में परिवर्धन									
i. दान/अनुदान	30,000	-		-	-	-	-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	288,384	-							59,345
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज		24,030	422	4,801		10,369	43,455	-	
टिकटों की बिक्री प्रिंकाश एवं ध्वनि प्रदर्शनक्र				-		-	-		-
प्राप्त मंच किराया	-								
कुल खिक्र	318,384	24,030	422	4,801		10,369	43,455	-	59,345
कुल (क+ख)	10,866,867	949,030	15,895	180,840	118,031	352,145	1,636,688	14,213	1,443,160
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय									
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-			-	-	-	649
– परियोजना व्यय	-	-	-					-	
कुल	-	-	-		-	-		-	649
कुल गिक्र					-	-		-	649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	10,866,867	949,030	15,895	180,840	118,031	352,145	1,636,688	14,213	1,442,511
	-								
निधियों का योग	10,866,867	949,030	15,895	180,840	118,031	352,145	1,636,688	14,213	1,442,511

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

	नौरस न्यास परियोजना	एन सी एफ – एन टी पी सी परियोजना	श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म की परियोजना	रीच प्रतिष्ठान परियोजना	एम एस आर वी एम पुराना पुष्कर परियोजना	एस सी आई महाबलीपुरम परियोजना	अहोम स्मारक परियोजना	इंडिया फोटो अभिलेख प्रतिष्ठान परियोजना	एन टी पी सी नागरिक सेवा मंडल परियोजना	वी सी एफ आर ई सी परियोजना
चालू वर्ष	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
क. निधि का प्रारंभिक शेष	1,879,595	1,071,583	2,103,097	5,904	-	513,396	24,043,535	85,203	435,476	77,436
ख. निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान		-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	107,104	34,352	121,689	-				1,764		
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-					-		-
प्राप्त मंच किराया										
कुल (ख)	107,104	34,352	121,689		-			1,764	-	
कुल (क+ख)	1,986,699	1,105,935	2,224,786	5,904	-	513,396	24,043,535	86,967	435,476	77,436
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649			648	527,547	649	-	649
– परियोजना व्यय	-	-					22,100,000	-		-
कुल	649	649	649			648	22,627,547	649	-	649
कुल (ग)	649	649	649			648	22,627,547	649	-	649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	1,986,050	1,105,286	2,224,137	5,904	-	512,748	1,415,988	86,318	435,476	76,787
निधियों का योग	1,986,050	1,105,286	2,224,137	5,904	-	512,748	1,415,988	86,318	435,476	76,787
गत वर्ष	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
कनिधि का प्रारंभिक शेष	1,793,092	932,557	2,006,007	490,504	47,928	494,303	22,415,610	84,407	435,476	78,085
खनिधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान		-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	87,152	139,675	97,739			19,742	1,628,574	1,445		
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज								-		
टिकटों की बिक्री प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन	-	-	-							
प्राप्त मंच किराया										
कुल खि	87,152	139,675	97,739			19,742	1,628,574	1,445		
कुल (क+ख)	1,880,244	1,072,232	2,103,746	490,504	47,928	514,045	24,044,184	85,852	435,476	78,085
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649		47,928	649	649	649		649
– परियोजना व्यय	-	-		484,600		-		-		
कुल	649	649	649	484,600	47,928	649	649	649		649
कुल गि	649	649	649	484,600	47,928	649	649	649		649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	1,879,595	1,071,583	2,103,097	5,904	-	513,396	24,043,535	85,203	435,476	77,436
निधियों का योग	1,879,595	1,071,583	2,103,097	5,904	-	513,396	24,043,535	85,203	435,476	77,436

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि (राशि रु. में)

	हुडको सुंदरवाला परियोजना	एन सी एफ एन टी पी सी जंतर मंतर परियोजना	श्रीमती उत्तरादेवी न्यास परियोजना	एन सी एफ नवेली लिग्नाइट परियोजना	एन सी एफ भेल एस एस एस परियोजना	एन सी एफ ओस्मानिया विश्वविद्यालय परियोजना	एन सी एफ सोनी इंडिया लि. परियोजना	एन सी एफ – आई एफ सी एल परियोजना	एन बी सी इंडिया परियोजना	परियोजना योग
चालू वर्ष	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39
क. निधि का प्रारंभिक शेष	551,659	86,411	198,126	2,235,665	3,835,460	-	914,754	47,779,156	817,268	4,413,066
ख. निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान	-	-		-	-			-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	28,728	-	8,545		226,658	-	-	1,369,686	-	243,710
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	225	4,712	-	62,801			9,625	-	44,920	
प्राप्त मंच किराया										
कुल (ख)	28,953	4,712	8,545	62,801	226,658	-	9,625	1,369,686	44,920	243,710
कुल (क+ख)	580,612	91,123	206,671	2,298,466	4,062,118	-	924,379	49,148,842	862,188	4,656,776
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	708	-	413	590	-		-	-	295
– परियोजना व्यय	-				-		209,502	34,854,517		
कुल	649	708	-	413	590	-	209,502	34,854,517	-	295
कुल (ग)	649	708	-	413	590	-	209,502	34,854,517	-	295
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	579,963	90,415	206,671	2,298,053	4,061,528	-	714,877	14,294,325	862,188	4,656,481
निधियों का योग	579,963	90,415	206,671	2,298,053	4,061,528	-	714,877	14,294,325	862,188	4,656,481
गत वर्ष	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39
कनिधि का प्रारंभिक शेष	523,680	83,148	228,280	2,174,897	3,668,679	1,303,883	914,658	50,509,089	814,502	4,230,433
खक्र निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान	-	-	1,190,576	-	-			-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	27,234	-	-		166,899		-	1,674,146		183,223
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	2,102	3,971	-	61,181		26,331	96	44	2,766	
टिकटों की बिक्री प्रिकाश एवं ध्वनि प्रदर्शनक्र										
प्राप्त मंच किराया										
कुल खिक्र	29,336	3,971	1,190,576	61,181	166,899	26,331	96	1,674,190	2,766	183,223
कुल (क+ख)	553,016	87,119	1,418,856	2,236,078	3,835,578	1,330,214	914,754	52,183,279	817,268	4,413,656
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
– अन्य प्रशासनिक व्यय	1,357	708	649	413	118	36				590
– परियोजना व्यय	-		1,220,081			1,330,178		4,404,123	-	
कुल	1,357	708	1,220,730	413	118	1,330,214		4,404,123	-	590
कुल गिक्र	1,357	708	1,220,730	413	118	1,330,214		4,404,123		590
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	551,659	86,411	198,126	2,235,665	3,835,460	-	914,754	47,779,156	817,268	4,413,066
निधियों का योग	551,659	86,411	198,126	2,235,665	3,835,460		914,754	47,779,156	817,268	4,413,066

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उदि्दष्ट/वृत्तिदान निधि

(राशि रु. में)

	परियोजना इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र	इनफोसिस प्रतिष्ठान परियोजना	भिलाई इस्पात संयंत्र परियोजना	नासगारात्मा एन परियोजना	एयर पोर्ट इंडिया परियोजना	कुल
चालू वर्ष	40	41	42	43	44	
क. निधि का प्रारंभिक शेष	77,872,594	47,282	1,179	39,644	-	252,400,975
ख. निधि में परिवर्धन						-
i. दान/अनुदान		10,000,000		5,500,000	29,280,504	44,780,504
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय		-	54,843		55,925	5,997,326
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	2,058,498	52,622		7,274	576	2,988,379
प्राप्त मंच किराया		-				-
कुल (ख)	2,058,498	10,052,622	54,843	5,507,274	29,337,005	53,766,209
						-
कुल (क+ख)	79,931,092	10,099,904	56,022	5,546,918	29,337,005	306,167,184
						-
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय						-
						-
– अन्य प्रशासनिक व्यय	118	413	413	1,180	148	537,772
– परियोजना व्यय	18,000,000			5,500,000	19,520,336	101,988,951
कुल	18,000,118	413	413	5,501,180	19,520,484	102,526,723
						-
कुल (ग)	18,000,118	413	413	5,501,180	19,520,484	102,526,723
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	61,930,974	10,099,491	55,609	45,738	9,816,521	203,640,461
						-
						-
निधियों का योग	61,930,974	10,099,491	55,609	45,738	9,816,521	203,640,461
						-
गत वर्ष	40	41	42	43	44	
क निधि का प्रारंभिक शेष	100,000,000	21,033	-	-		273,888,484
ख निधि में परिवर्धन						-
i. दान/अनुदान		10,000,000	15,880,000	5,500,000		32,600,576
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय						6,500,193
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	2,872,594	26,868	1,262	40,470		3,294,487
टिकटों की बिक्री प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शनक		-				-
प्राप्त मंच किराया		-				-
कुल खिक	2,872,594	10,026,868	15,881,262	5,540,470		42,395,256
						-
कुल (क+ख)	102,872,594	10,047,901	15,881,262	5,540,470		316,283,740
						-
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय						-
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	500,619	83	826		558,673
– परियोजना व्यय	25,000,000	9,500,000	15,880,000	5,500,000		63,324,092
कुल	25,000,000	10,000,619	15,880,083	5,500,826		63,882,765
						-
कुल गिक	25,000,000	10,000,619	15,880,083	5,500,826		63,882,765
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	77,872,594	47,282	1,179	39,644		252,400,975
						-
निधियों का योग	77,872,594	47,282	1,179	39,644		252,400,975

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची –4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार	31.03.2024		31.03.2023	
1. केन्द्र सरकार		-		-
2. राज्य सरकार उिल्लेख करेंक्र		-		-
3. वित्तीय संस्थाएं				
कक्र सावधि ऋण	-		-	
खक्र प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक				
कक्र सावधि ऋण	-		-	
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-		-	
खक्र अन्य ऋण उिल्लेख करेंक्र	-		-	
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		-		-
6. डिबेंचर एवं बंध पत्र		-		-
7. अन्य उिल्लेख करेंक्र		-		-
कुल		-		-

नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	31.03.2024	31.03.2023
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार उिल्लेख करेंक्र	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-
4. बैंक		
कक्र सावधि ऋण	-	-
खक्र अन्य ऋण उिल्लेख करेंक्र	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर एवं बंध पत्र	-	-
7. नियत जमाएं	-	-
8. अन्य उिल्लेख करेंक्र	-	-
कुल	-	-

अनुसूची – 6 – आस्थगित ऋण देयताएं	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
कक्र पूंजी के गिरवी द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां	-	-
खक्र अन्य	-	-
कुल	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

	31.03.2024		31.03.2023	
अनुसूची–7 – चालू देयताएं एवं प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. विविध ऋणदाता				
कक्र माल एवं सेवा के लिए	-	8,34,379	-	7,12,533
2. प्राप्त अग्रिम		4,62,051		4,62,051
3. सांविधिक देयताएं				
कक्र अन्य : जीएसटी देय परियोजनाएं		-		-
खक्र अन्य : जीएसटी		9,826		12,466
गक्र अन्य : टीडीएस देय		25,599		13,921
4. अन्य चालू देयताएं : अग्रिम धन				
: परियोजना को वापसी योग्य राशि	13,30,330		13,30,330	
: संदेय व्यय	6,31,076		8,24,044	
: राष्ट्रीय संग्रहालय को संदेय	2,45,767		7,42,475	
: संस्कृति मंत्रालय को संदेय	(719)	22,06,454	(719)	28,96,130
कुल (क)		**35,38,309**		**40,97,101**
ख. प्रावधान				
1. कराधान के लिए				
कुल (ख)				
कुल (क + ख)		**35,38,309**		**40,97,101**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्तियां

विवरण		सकल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
	मूल्यह्रास दर	वर्ष के आरंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्धनों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक योग	चालू वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1 एयर कंडीशनर	15%	57,500	-	(57,500)	-	57,180		(57,180)	-	-	320
2 वाल्टेज स्टैब्लाइजर	15%	4,800	-	(4,800)	-	4,774	-	(4,774)	-	-	26
3 रेफ्रिजरेटर	15%	44,123	-	(7,063)	37,060	27,627	2,467	(5,082)	25,011	12,049	16,496
4 फोटो कॉपियर	15%	6,89,612	-	(3,03,387)	3,86,225	6,33,482	7,630	(2,95,271)	3,45,841	40,384	56,130
5 फैक्स मशीन	15%	35,900	-	(35,900)	-	32,748	-	(32,748)	-	-	3,152
6 कार्यालय उपकरण	15%	1,97,490	(50,187)	-	1,47,303	68,702	14,287	(16,646)	66,343	80,960	1,28,788
		10,29,425	**(50,187)**	**(4,08,650)**	**5,70,588**	**8,24,513**	**24,383**	**(4,11,701)**	**4,37,195**	**1,33,393**	**2,04,912**
7 फर्नीचर मदें	10%	31,40,572	-	-	31,40,572	19,75,048	1,16,552	-	20,91,600	10,48,972	11,65,524
			-								
			-								
8 कम्प्यूटर हार्डवेयर	40%	12,46,424	6,33,726	(8,96,554)	9,83,596	12,13,642	2,10,528	(8,79,904)	5,44,266	4,39,330	32,782
9 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	47,730	-	(24,390)	23,340	45,914	726	(24,389)	22,251	1,089	1,816
चालू वर्ष का योग		54,64,151	5,83,539	(13,29,594)	47,18,096	40,59,117	3,52,190	(13,15,994)	30,95,313	16,22,783	14,05,034
गत वर्ष		54,13,148	51,003	-	54,64,151	38,72,714	1,86,403	-	40,59,117	14,05,034	15,40,434

उपर्युक्त में शामिल भाड़ा – खरीद आधार पर परिसम्पत्तियों की लागत के बारे में दी जाने वाली टिप्पणीक्र

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा निर्धारित लेखाकरण के नए लेखांकन फार्मेट की अपेक्षा का पालन करने के लिए स्थायी परिसंपत्तियों के समूहीकरण में परिवर्तन किया गया है।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रु. में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधियों से निवेश	31.03.2024	31.03.2023
1 सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3 शेयर	-	-
4 डिबेंचर एवं बॉण्ड	-	-
5 सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6 अन्य ्विशिष्ट परियोजनाएं एफडीआरक्र		
परियोजना ज्ञान प्रवाह – एफडीआर	-	-
परियोजना चौ. चरण सिंह जन्म शताब्दी – एफडीआर	-	-
परियोजना डी जी जैसलमेर – एफडीआर	-	-
कुल	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रु. में)

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	31.03.2024	31.03.2023
1 सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3 शेयर	-	-
4 डिबेंचर एवं बॉण्ड	-	-
5 सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6 अन्य ्उिल्लेख किया जाएक्र	-	-
कुल	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम धन आदि	31.03.2024		31.03.2023	
क. चालू परिसंपत्तियां				
1 विविध ऋणदाता				
क. छह मास से अधिक अवधि से बकाया ऋण	84,661		3,91,369	
ख. अन्य		84,661		3,91,369
2 हाथ रोकड़ शेष चैक, ड्राफ्ट तथा अग्रदाय सहितक्र– अनुबंध–1 संलग्न	16,266	16,266	12,944	12,944
3 बैंक में शेष राशि :				
क. अनुसूचित बैंकों में :				
– जमा खाते में मार्जिन राशि भी शामिल हैक्रअनुबंध–1 संलग्न	49,55,10,115		63,81,25,280	
– बचत खाते में अनुबंध–1 संलग्न	14,05,82,031	63,60,92,146	13,38,16,241	77,19,41,521
कुल (क) – विवरण संलग्न अनुबंध के अनुसार		**63,61,93,073**		**77,23,45,834**
ख. ऋण अग्रिम धन और अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण				
गक्र अन्य			-	-
2. अग्रिम धन और अन्य रकमें जो नकदी में या वस्तु रूप में या प्राप्तव्य मूल्य पर वसूलनीय है।				
खक्र पूर्व भुगतान				
गक्र अन्य – महानिदेशक एँ एस आईक्र	1,15,19,603	1,15,19,603	1,15,19,603	1,15,19,603
3. प्रोद्भूत आय				
कक्र उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधियों से निवेश पर	-		-	
खक्र निवेशों पर – अन्य	4,02,423		38,91,812	
गक्र अन्य	88,95,373	92,97,796	15,90,359	54,82,171
4. प्राप्य दावे/टी डी एस वसूली योग्य : एन सी एफ निवेशों पर	1,70,87,397		1,69,22,226	
परियोजनाओं पर	84,31,606	2,55,19,003	82,58,884	2,51,81,110
कुल (ख)		**4,63,36,402**		**4,21,82,884**
कुल (क + ख)		**68,25,29,475**		**81,45,28,718**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

अनुसूची 11–क का अनुबंध–1

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अंतिम शेष	31.03.2024 की	(रुपये में)	31.03.2023	(रुपये में)
1 रोकड़ शेष				
एन सी एफ – अग्रदाय	16,266	**16,266**	12,944	**12,944**
विशिष्ट परियोजनाएं				
कुल 1		**16,266**		**121**
बैंक शेष				
2 अनुसूचित बैंकों के **पास** बैंक शेष				
कक्र चालू खातों पर			-	
खक्र मार्जिन राशि सहित जमा **खाते** में				
एन सी एफ मुख्यालय				
पीएनबी बैंक, नई दिल्ली	2,28,99,935		2,18,99,935	
केनरा बैंक	40,08,61,648		48,69,37,487	
विशिष्ट परियोजनाएं				
सावधि जमा – परियोजनाएं	7,17,48,532	49,55,10,115	12,92,87,858	63,81,25,280
गक्र बचत खाते में				
एन सी एफ मुख्यालय	69,758		67,698	
एन सी एफ, एल टी पी खाता सं. 1231	-		4,92,625	
कैनरा बैंक खाता सं. 9588	68,76,114		66,93,173	
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	5,06,859			
पी एन बी खाता **सं**:10	5,08,111		5,71,975	
पी एन बी खाता **सं**:38				
केनरा बैंक खाता सं. 627	95,63,289		1,27,26,896	
		1,75,24,131		2,05,52,367
विशिष्ट परियोजनाएं				
हुमायूं का मक्बरा परियोजना	23,959		23,959	
जैसलमेर किला परियोजना – बैंक	88,08,158		62,06,507	
जंतर मंतर परियोजना	2,46,314		9,04,062	
किष्किन्धा न्यास परियोजना	70,902		68,882	
शनिवारवाड़ा परियोजना	20,41,594		19,87,277	
आलमबाज़ार मठ परियोजना	1,11,63,989		1,08,66,867	
गोल गुम्बज़ परियोजना	16,329		15,895	
हिडिम्बा मंदिर परियोजना, मनाली	47,642		9,49,030	
वज़ीरपुर का गुम्बज़ परियोजना	1,85,783		1,80,840	
इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान परियोजना	16,81,422		16,36,688	
हम्पी प्रतिष्ठान परियोजना	3,62,859		3,52,145	
लोधी मक्बरा परियोजना	41,92,137		37,34,113	
एन बी सी सी परियोजना – भारत एसबीआई बैंक	1,07,017		1,04,169	
हज़ारद्वारी मुर्शिदाबाद परियोजना	94,302		94,951	
भारतीय फोटो अभिलेख परियोजना	48,723		49,371	
नौरस न्यास परियोजना	45,315		45,964	
एन सी एफ परियोजना – एन टी पी सी	28,135		28,785	
श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म परियोजना	94,299		94,948	
परियोजना डब्ल्यू मिलाई इस्पात संयंत्र	55,609		1,179	
ओ एन जी सी अहोम स्मारक परियोजना	4,71,219		14,915	
एस सी आई महाबलीपुरम् परियोजना	67,158		67,806	
नागरिक सेवा मंडल परियोजना	4,35,476		4,35,476	
एस टी सी जंतर मंतर परियोजना	40,115		38,575	
हुडको काफ्ट सुंदरवाला परियोजना	34,958		35,607	
भेल एस एस एस परियोजना	10,20,518		8,00,014	
एन सी एफ नवेली लिग्नाइट परियोजना	22,04,557		21,42,169	
आर ई सी परियोजना	16,464		17,113	
आई एफ सी एल परियोजना	1,28,20,651		3,913	
सोनी इंडिया लिमिटेड परियोजना			3,642	
जैसलमेर निंईक्र परियोजना	1,17,538		1,17,538	
हुडको काफ्ट प्रशिक्षण परियोजना	13,441		12,322	
परियोजना वोंग	4,99,097		4,99,392	
परियोजना–इंफोसिस प्रतिष्ठान बातेश्वर मंदिर	1,00,99,491		47,282	
परियोजना–आईजीएनसीए	6,19,30,974		7,78,72,594	
परियोजना– नागारत्नम एन	45,738		39,644	
परियोजना– लौरिया नंदनगढ	38,75,818		-	
परियोजना– एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया	50,199		-	
परियोजना– नकद और अदावित जमा	-	12,30,57,900	37,70,240	11,32,63,874
कुल 2		63,60,92,146	11,32,63,874	**77,19,41,521**
महायोग 1 + 2		**63,61,08,412**		**77,19,41,642**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

	31.03.2022	31.03.2023
अनुसूची 12 – बिक्री/सेवाओं से आय		
1 **बिक्री से आय**		
क. तैयार माल की बिक्री	-	-
ख. कच्चा माल की बिक्री	-	-
ग. स्क्रैप की बिक्री	-	-
2 **सेवाओं से आय**		
क. श्रम एवं प्रसंस्करण प्रभार	-	-
ख. व्यावसायिक एवं परामर्शी सेवाएं	-	-
ग. एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ. अनुरक्षण सेवाएं ¼उपकरण/संपत्ति½	-	-
ड़. अन्य ¼उल्लेख करें½	-	-
कुल	-	

अनुसूची 13 – अनुदान/सहायिकी	31.03.2024	31.03.2023
¼प्राप्त अटल अनुदान/सहायिकी½		
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. सरकारी एजेंसियां	-	-
4. संस्थान/कल्याणकारी निकाय	-	-
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6. अन्य		
कुल		

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची–14 शुल्क/अंशदान			31.03.2024	31.03.2023
1. प्रवेश शुल्क			-	-
2. वार्षिक शुल्क/अंशदान			-	-
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क			-	-
4. परामर्शी शुल्क			-	-
5. अन्य (उिल्लेख करेंक्र			-	-
कुल			-	-

	उद्दिष्ट से निवेश		निवेश अन्य	
अनुसूची–15 निवेशों से आय	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023
1 ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
ख. अन्य बॉण्ड/डिबेंचर	-	-	-	-
2. लाभांश				
क. शेयरों पर	-	-	-	-
ख. म्युचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3 किराया	-	-	-	-
4 अन्य – परियोजनाओं से संबंधित नियत जमाएं	-	-	-	-
घटा : उद्दिष्ट/वृत्तदान निधि को हस्तांतरित		-		-
कुल उद्दिष्ट/वृत्तदान निधि को हस्तांतरित	-	-	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	31.03.2024	31.03.2023
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य	13,862	64559
कुल	13,862	64,559

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	31.03.2024	31.03.2023
1. सावधि जमाओं पर		
क. अनुसूचित बैंकों के पास	-	3,37,52,785
ख. गैर अनुसूचित बैंकों के पास		
2. बचत खातों पर		
क. अनुसूचित बैंकों के पास	8,36,704	9,00,947
ख. गैर अनुसूचित बैंकों के पास		
ग. डाकघर बचत खाते पर		
3. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/स्टाफ		
ख. अन्य		
4. ऋणियों और अन्य प्राप्यों पर ब्याज		
कुल	8,36,704	3,46,53,732

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	31.03.2024	31.03.2023
1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क. मालिकाना संपत्तियां	-	-
ख. अनुदानों से अर्जित या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-
2. उगाही की गई निर्यात प्रोत्साहन	-	-
3. प्रशासनिक संवाओं के लिए शुल्क	8,33,490	65,69,000
4. विविध आय		
कुल	8,33,490	65,69,000

अनुसूची 19 – तैयार मालों के भंडार और चल रहे कार्य में वृद्धि/(कमी)	31.03.2024	31.03.2023
क. अंतिम भंडार		
– तैयार माल	-	-
– चल रहा कार्य	-	-
ख. घटा : प्रारंभिक भंडार	-	-
– तैयार माल	-	-
– चल रहा कार्य		
निबल वृद्धि/(कमी) (क–ख)	-	-

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	31.03.2024	31.03.2023
क. वेतन एवं मजदूरी	-	2,19,379
ख. भत्ते एवं बोनस	'-	-
ग. भविष्य निधि में अंशदान	-	-
घ. अन्य निधि में अंशदान (उल्लेख करें)	-	-
ड़. कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-
च. कर्मचारी सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ पर खर्च	-	-
छ. अन्य : मानदेय	-	-
कुल	0	2,19,379

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपए में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय		31.03.2024	31.03.2023
क.	मरम्मत तथा अनुरक्षण, कम्प्यूटर अनुरक्षण	2,19,698	3,12,443
ख.	डाक खर्च, टेलीफोन, संचार	23,920	24,361
ग.	मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,39,496	1,55,856
घ.	यात्रा एवं परिवहन खर्चे	12,17,938	8,47,418
ङ.	व्यावसायिक प्रभार	10,10,003	17,37,422
च.	कार्यालय खर्चे	1,50,860	66,693
छ.	अनुवाद खर्चे	1,302	60,640
ज.	संविदात्मक स्टाफ	52,52,010	46,60,616
ज.	लेखा परीक्षा शुल्क	5,98,344	-
ञ.	वेबसाईट अनुरक्षण खर्चे	49,826	-
ट.	बैठक खर्चे	5,82,111	4,955
	कुल	**92,45,508**	**78,70,404**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपए में)

	31.03.2024	31.03.2023
अनुसूची 22 – अनुदान, सहायिकियों आदि व्यय		
क. दिया गया	10,59,44,600 -	5,43,81,200
ख. संस्थाओं/संगठनों को दी गई सहायिकियां	-	-
कुल	**10,59,44,600**	**5,43,81,200**

	31.03.2024	31.03.2023
अनुसूची 23 – ब्याज		
क. बैंक प्रभार	2,719	7,475
ख. टी डी एस/आय कर पर शास्तियां / अपील शुल्क		223
कुल	2,719	7,698

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2024 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	31.03.2024	31.03.2023	भुगतान	31.03.2024	31.03.2023
I. प्रारंभिक शेष			I. व्यय		
क. हाथ रोकड़	12,944	121	कक्र स्थापना व्यय	-	2,19,379
ख. बैंक शेष			खक्र प्रशासनिक व्यय	98,04,300	76,94,278
i) जमा खातों में	63,81,25,280	64,84,79,040			
ii) बचत खातों में	13,38,16,241	16,28,79,449	II. निधियों में से किए भुगतान		
			अनुदान संबंधी व्यय	10,59,44,600	5,43,81,200
IV. प्राप्त ब्याज			उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	10,25,26,723	6,38,82,765
क. बैंक जमा राशियों पर	8,36,704	3,78,03,363			
			IV. स्थायी परिसंपत्तियों तथा सीडब्ल्यूआईपी पर व्यय		
V. अन्य आय (उल्लेख करें)			कक्र स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	5,83,539	51,003
दान/अनुदान	13,862	64,559			
			V. अधिशेष (सरप्लस) धन/ऋणों की वापसी		
VI. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)					-
क. उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि					
निधियों में परिवर्धन	5,37,66,209	4,23,95,256	VI. वित्त प्रभार (ब्याज)	2,719	7,698
ख. विविध आय	8,33,490	65,69,000			
(C) Amount received from Debtors	3,06,708	-	VIII. अन्य भुगतान (उल्लेख करें)		
(d) Sale of Assets	13,600	-	कक्र हाथ में रोकड़	16,266	12,944
(e) Int on FDRs as part of Corpus	2,72,45,255	-	खक्र बैंक शेष		
			i) जमा खातों में	49,55,10,115	63,81,25,280
			ii) बचत खातों में	14,05,82,031	13,38,16,241
कुल	85,49,70,293	89,81,90,788	कुल	85,49,70,293	89,81,90,788

<u>लेखा परीक्षक की रिपोर्ट</u>
समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण सं. 015053एन)

Vipul Kumar

VIPUL KUMAR & CO. NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

विपुल कुमार (भागीदार)
एम. एन. : 094803
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 06.08.2024

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

Dr. Arvind Kumar
Member Secretary
National Culture Fund
Ministry of Culture
Govt. of India
New Delhi-110023

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

अनुसूची **24** एवं **25**

तुलन पत्र और आय व व्यय लेखाओं के अभिन्न भाग के रूप में महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं संबंधी टिप्पणियां

क- उल्लेखनीय लेखांकन नीतियां

1. लेखांकन परंपरा

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत परंपराओं एवं अन्य अनिवार्य लेखा मानदंडों के तहत् तैयार किया गया है।

2. स्थायी परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

क. स्थायी परिसंपत्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर अर्जन की लागत पर दर्षाया गया है।

ख. स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को आयकर अधिनियम, **1961** के अंतर्गत निर्धारित दरों के अनुसार लिखित मूल्य विधि आधार पर विचार किया गया है।

ग. वर्ष के दौरान नियत संपत्ति में जोड़/से कटौती के संबंध में ह्रास पर समानुपातिक आधार पर विचार किया गया है।

3. लेखांकन पद्धति

न्यास अपने खातों को रोकड़ आधार पर रखता था, किन्तु केन्द्रीय स्वायत्त निकायों हेतु अपेक्षाओं को अनुपालित करने के क्रम में न्यास ने वित्त वर्ष **2001-02** के बाद से लेखांकन पद्धति के रोकड़ आधार को बदलकर प्रोद्भवन आधार को अपना लिया है।

4. राजस्व मान्यता

क. न्यास लेखांकन के प्रोद्भवन प्रणाली का अनुपालन कर रहा है और सभी राजस्वों को तब मान्यता दी जाती है, जब वह प्राप्ति के लिए देय हो जाता है तथा सभी व्ययों को तभी समाकलित किया जाता है जैसे ही वे भुगतान के लिए देय हो जाते हैं।

ख. विशिष्ट परियोजनाओं से आय/हानि को संबंधित परियोजना पूर्ण होने के वर्ष में मान्यता दी जाएगी।

5. निवेश

न्यास के पास लेखाओं के समरूप फार्मेट में विहित प्रकृति का कोई निवेश नहीं है (अनुसूची **9** एवं अनुसूची **10**.

ख. आकस्मिक देयताएं

आकस्मिक देयताओं को लेखा-बहियों में नहीं दिया गया है, किन्तु उन्हें लेखा-नोट्स के रूप में प्रकट किया गया है।

ग. लेखाओं पर टिप्पणी

1. अनुसूची 1 में दी गई कॉर्पस /पूंजीगत निधि में मुख्यतः दो भाग हैं यथा-प्राथमिक कॉर्पस एवं द्वितीयक कॉर्पस । विवरण निम्नानुसार है:-

विवरण	प्राथमिक कॉर्पस (राशि रूपये में)	द्वितीयक कॉर्पस (राशि रूपये में)	कुल कॉर्पस
प्रारंभिक शेष	19,50,00,100	36,44,35,576	55,94,35,676
जोड़ - वर्ष के दौरान आय एवं व्यय लेखा से अंतरित आधिक्य	शून्य	-8,24,62,188	-8,24,62,188
	19,50,00,100	28,19,73,388	47,69,73,488

2. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 क के तहत् छूट प्राप्ति को ध्यान में रखते हुएआयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

3. दिनांक 28.11.1996 की भारत का राजपत्र अधिसूचना के पैरा 15 के अनुसार, एनसीएफ को तुरंत अपेक्षित नहीं निधि की राषि को अल्पकालिक आधार पर सावधि जमाओं/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमाणपत्रों में जमा करना होता है। तदनुसार, इन सावधि जमाओं को न्यास द्वारा "बैंक शेषों-जमा खाते" के अंतर्गत अनुसूची 11 में दर्शाए गए हैं।

4. नियत जमाओं पर ब्याज को कॉर्पस के भाग के रूप में दर्शाया गया है, क्योंकि यह आई टी ए टी आदेश के अनुसार धारा 11(1) (घ) के तहत छूट प्राप्त है|

5. लेखा वर्ष 2016-17 के लिए आयकर विभाग द्वारा रु. 2.70 करोड़ का मांग उठाया गया है, जिसके खिलाफ एनसीएफ ने जनवरी-2019 में कमिश्नर अपील के पास अपील की है।

6. जहां पर आवश्यक हुआ है वहां पर पिछले वर्ष के संगत आंकड़ों को पुनः समूहित/व्यवस्थित किया गया है।

7. अनुसूची 1 से 25, 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र और यथातिथि पर समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न हैं।

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी

सनदी लेखाकार
(भागीदार)
Vipul Kumar

VIPUL KUMAR & CO. NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 06.08.2024

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

Dr. Arvind Kumar
Member Secretary
National Culture Fund
Ministry of Culture
Govt. of India
New Delhi-110023

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

5वीं मंजिल, पुरातत्व भवन, डी-ब्लॉक, जीपीओ कंपलैक्स, आईएनए, नई दिल्ली-110023
फोन: 011-24656248, 24656251, ईमेल: ncfunesco-culture@gov.in
वेबसाईट : www.ncf.nic.in